आवासीय स्कूल की निगरानी व्यवस्था में लापरवाही, कक्षा सातवीं और आठवीं के छात्रों के गायब होने से मचा हड़कंप

एकलव्य विद्यालय की सुरक्षा में सेंध, दो नाबालिग छात्र लापता

हरिभूमि न्यूज ⏭ जुन्नारदेव

आदिवासी अंचल में बच्चों को बेहतर शिक्षा और सुरक्षित आवासीय सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से संचालित एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय में दो नाबालिग छात्रों के लापता होने का मामला सामने आने से सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े हो गए हैं। कक्षा सातवीं और आठवीं में अध्ययनरत 13 और 14 वर्षीय दो छात्र मंगलवार सुबह से लापता बताए जा रहे हैं। घटना की जानकारी सामने आने के बाद पुलिस उनकी तलाश में जुट गई है। वहीं, बच्चों के विद्यालय परिसर से गायब होने की परिस्थितियों को लेकर अभिभावकों और स्थानीय लोगों के बीच चिंता बढ़ गई है।



मामला केवल दो बच्चों के लापता होने तक सीमित नहीं है, बल्कि इससे आवासीय विद्यालयों में विद्यार्थियों की निगरानी, उपस्थिति दर्ज करने की प्रक्रिया और जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही जैसे महत्वपूर्ण मुद्दे भी चर्चा में आ गए हैं। सवाल यह है कि जब बच्चे विद्यालय में रहकर पढ़ाई करते हैं, तो उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए निर्धारित व्यवस्थाएं कितनी प्रभावी हैं?

सुबह से नहीं मिले छात्र, तलाश में जुटी पुलिस

प्राप्त समाचार जानकारी के अनुसार, दोनों छात्र मंगलवार सुबह से लापता बताए जा रहे हैं। एक छात्र कक्षा सातवीं में और दूसरा कक्षा आठवीं में पढ़ता है। दोनों की उम्र क्रमशः 13 और 14 वर्ष बताई गई है। बच्चों के नहीं मिलने की जानकारी सामने आने के बाद उनकी तलाश शुरू की गई।

नाबालिगों के लापता होने की सूचना ने विद्यालय प्रबंधन और संबंधित परिवारों की चिंता बढ़ा दी है। पुलिस द्वारा बच्चों का पता लगाने के प्रयास किए जा रहे हैं। हालांकि, दोनों छात्र किन परिस्थितियों में विद्यालय से बाहर गए, वे स्वयं परिसर से निकले या उनके जाने के पीछे कोई अन्य कारण रहा, इसकी स्पष्ट जानकारी जांच के बाद ही सामने आ सकेगी।

ऐसे मामलों में शुरुआती समय बेहद महत्वपूर्ण होता है। बच्चों की गतिविधियों, अंतिम बार उन्हें कहां देखा गया, उनकी उपस्थिति और विद्यालय परिसर से बाहर निकलने से संबंधित जानकारी तलाश में अहम भूमिका निभा सकती है।

अभिभावकों की चिंता, जिम्मेदारी तय करने की मांग

बच्चों के लापता होने की खबर से अभिभावकों और स्थानीय लोगों की चिंता बढ़ना स्वाभाविक है। परिवार अपने बच्चों को शिक्षा और बेहतर भविष्य की उम्मीद के साथ आवासीय विद्यालयों में भेजते हैं। ऐसे में बच्चों की सुरक्षा को लेकर किसी भी तरह की अनिश्चितता उनके भरोसे को प्रभावित कर सकती है। स्थानीय स्तर पर इस घटना के प्रत्येक पहलू की जानकारी सामने आना जरूरी है। विद्यालय प्रबंधन को विद्यार्थियों की उपस्थिति, छात्रावास की निगरानी और घटना की जानकारी मिलने के बाद उठाए गए कदमों के संबंध में स्पष्ट स्थिति बतानी चाहिए। संबंधित विभाग को भी सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा कर आवश्यक सुधार सुनिश्चित करने चाहिए।

जांच में इन सवालों के जवाब तलाशना जरूरी

दोनों छात्रों की तलाश के साथ घटना की परिस्थितियों की पड़ताल भी महत्वपूर्ण है। जांच में यह स्पष्ट होना चाहिए कि बच्चे आखिरी बार कब और कहां देखे गए, उनकी अनुपस्थिति का पता किस समय चला, विद्यालय की निगरानी व्यवस्था ने किस तरह काम किया और सूचना मिलने के बाद क्या कदम उठाए गए। इसके अलावा, विद्यालय परिसर में प्रवेश और निकास की व्यवस्था, छात्रावास में जिम्मेदार कर्मचारियों की ड्यूटी तथा विद्यार्थियों की नियमित गणना से संबंधित रिकॉर्ड की भी जरूरत के अनुसार जांच की जा सकती है। इन सवालों के जवाब मिलने से न केवल घटना की परिस्थितियां स्पष्ट होंगी, बल्कि भविष्य में ऐसी घटनाओं की रोकथाम के लिए भी ठोस कदम उठाए जा सकेंगे।

बच्चों की सुरक्षित वापसी सबसे बड़ी प्राथमिकता

फिलहाल सबसे महत्वपूर्ण प्राथमिकता दोनों नाबालिग छात्रों का सुरक्षित पता लगाना है। पुलिस और संबंधित अधिकारियों की ओर से तलाश के प्रयासों के बीच विद्यालय प्रबंधन तथा प्रशासन को आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराने और परिवारों के साथ समन्वय बनाए रखने की जरूरत है। इस घटना ने आवासीय विद्यालयों में बच्चों की सुरक्षा को लेकर एक महत्वपूर्ण सवाल खड़ा किया है। शिक्षा के साथ सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराना भी संस्थान की जिम्मेदारी का अहम हिस्सा है। अब यह देखना होगा कि दोनों छात्रों की तलाश के बाद घटना के कारणों की निष्पक्ष पड़ताल होती है या नहीं और भविष्य में ऐसी स्थिति दोबारा न बने, इसके लिए क्या ठोस कदम उठाए जाते हैं।

आवासीय विद्यालय में रहकर पढ़ते हैं बच्चे, फिर निगरानी पर नहीं दिया जा रहा ध्यान

एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालयों की स्थापना का उद्देश्य दूरस्थ और आदिवासी क्षेत्रों के विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ आवासीय सुविधा उपलब्ध कराना है। यहां पढ़ने वाले बच्चे अपने परिवार से दूर रहकर विद्यालय परिसर में निवास करते हैं। ऐसे में उनकी सुरक्षा और नियमित निगरानी की जिम्मेदारी और भी महत्वपूर्ण हो जाती है।विद्यालय में विद्यार्थियों की उपस्थिति की नियमित जांच, छात्रावास की निगरानी, आने-जाने की जानकारी और किसी विद्यार्थी के अनुपस्थित पाए जाने पर तत्काल कार्रवाई जैसी व्यवस्थाएं प्रभावी होना जरूरी है। दो छात्रों के लापता होने की घटना के बाद इन व्यवस्थाओं की कार्यप्रणाली को लेकर सवाल उठना स्वाभाविक है। यह जानना आवश्यक है कि संबंधित दिन दोनों छात्रों की उपस्थिति दर्ज की गई थी या नहीं, उनके लापता होने की जानकारी सबसे पहले किसे मिली और विद्यालय प्रबंधन ने मामले की सूचना संबंधित अधिकारियों तथा पुलिस को कितनी जल्दी दी। हालांकि, इन बिंदुओं पर आधिकारिक पुष्टि के बिना किसी कर्मचारी या अधिकारी की लापरवाही को जिम्मेदार ठहराना उचित नहीं होगा।

पहले भी उठ चुके हैं सुरक्षा से जुड़े मुद्दे

समाचार में उल्लेखित पृष्ठभूमि के अनुसार, विद्यालय में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पहले भी सवाल उठने की बात सामने आई है। ऐसे में दो विद्यार्थियों के लापता होने की घटना ने एक बार फिर विद्यालय की निगरानी व्यवस्था पर चर्चा तेज कर दी है। यदि पहले भी सुरक्षा संबंधी शिकायतें सामने आई थीं, तो उनकी प्रकृति, जांच और उन पर की गई कार्रवाई की जानकारी सार्वजनिक होना आवश्यक है। इससे यह स्पष्ट हो सकेगा कि पूर्व में उठाए गए मुद्दों पर सुधारात्मक कदम उठाए गए थे या नहीं। आवासीय संस्थानों में सुरक्षा का अर्थ केवल परिसर में कर्मचारियों की तैनाती तक सीमित नहीं है। इसके लिए नियमित निरीक्षण, स्पष्ट जिम्मेदारियां, उपस्थिति की निगरानी और किसी भी आपात स्थिति में त्वरित कार्रवाई की व्यवस्था भी जरूरी है।

विभिन्न क्षेत्रों के खाद्य प्रतिष्ठानों से खाद्य पदार्थों के नमूने किये गये जब्त



छिन्दवाड़ा। संपूर्ण प्रदेश में चलाए जा रहे मिलावट से मुक्ति अभियान एवं आगामी दीपावली त्यौहार को दृष्टिगत रखते हुए खाद्य सुरक्षा प्रशासन जिला छिंदवाड़ा द्वारा जिले में लगातार खाद्य प्रतिष्ठानों की जांच की जा रही है। विगत सप्ताह छिंदवाड़ा शहर, परासिया, उमरेठ, जामई, हर्रई एवं चौरई तहसीलों में खाद्य सुरक्षा दलों की टीमों द्वारा लगातार औचक निरीक्षण किए गए। खाद्य सुरक्षा अधिकारी श्री गोपेश मिश्रा द्वारा गत दिवस छिंदवाड़ा शहर के बड़े बिग बाजारों का बारीकी से निरीक्षण किया गया, जहां त्योहारों के दौरान काफी भीड़ रहती है और आमजन बड़ी मात्रा में खाद्य पदार्थों की खरीदी करते हैं। टीम ने रिलायंस रिटेल मार्ट नागपुर रोड, डी मार्ट परासिया रोड और विशाल मेगा मार्ट का औचक निरीक्षण कर त्योहारों पर उपलब्ध विभिन्न खाद्य पदार्थों एवं मिठाइयों की जांच की। इस दौरान रिलायंस रिटेल मार्ट नागपुर रोड से 5, डी मार्ट परासिया रोड से 5 और विशाल मेगा मार्ट से 5 खाद्य पदार्थों के नमूने जब्त किए गए। इसी तरह परासिया शहर में खाद्य सुरक्षा अधिकारी श्री गोपेश मिश्रा एवं सहायक आपूर्ति अधिकारी श्री गीतराज गेडाम की संयुक्त टीम ने गुप्ता होटल, पीयूष होटल, बालाजी राजस्थान स्वीट्स और होटल जैनसंस का निरीक्षण किया। इस दौरान 7 खाद्य पदार्थों के नमूने जब्त किए गए। साथ ही प्रतिष्ठानों में घरेलू गैस सिलेंडर का उपयोग हो रहा है या नहीं, इसकी भी जांच की गई। एक अन्य टीम में खाद्य सुरक्षा अधिकारी श्री पंकज कुमार घाघरे द्वारा चौरई, हर्रई एवं उमरेठ में सोनी नमकीन, मानव मंदिर, एल.पी. डील और पवार होटल की जांच की गई। इस दौरान 9 खाद्य पदार्थों के नमूने जब्त किए गए। वहीं, खाद्य सुरक्षा अधिकारी सुश्री संध्या मार्को की टीम ने जामई एवं तामिया में बीकानेर स्वीट्स, जय भोले होटल, वर्मा होटल और गुप्ता होटल का निरीक्षण किया।

4000 कि.ग्रा. महुआ लहान नष्ट कर 50 लीटर हाथ भट्टी मदिरा की गई बरामद

छिन्दवाड़ा। कलेक्टर हरेंद्र नारायन के निर्देशन एवं सहायक आबकारी आयुक्त बी.आर. वैद्य के मार्गदर्शन में मंगलवार को आबकारी वृत्त छिंदवाड़ा क्रमांक 1 एवं 2 की टीम द्वारा ग्राम कोढ़ामऊ, लिंगा एवं उमरिया दलेल के नदी, नालों एवं झाड़ियों में दबिश दी गई। दबिश के दौरान 4000 किलोग्राम महुआ लहान बरामद कर नष्ट किया गया। साथ ही 50 लीटर हाथ भट्टी मदिरा बरामद की गई। इस कार्रवाई में मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम, 1915 की धारा 34(1) क एवं 34(1) च के तहत कुल पांच प्रकरण दर्ज कर कार्रवाई की गई। इस कार्रवाई में आबकारी उप निरीक्षक एवं वृत्त प्रभारी श्री नरेंद्र नागेश, आबकारी मुख्य आरक्षक श्री लक्ष्मीचंद तथा आबकारी आरक्षक सुश्री सोनाली एवं सुश्री शिवानी उपस्थित थे।

परिवहन विभाग ने की चांद-बिछुआ क्षेत्र में स्कूल वाहनों एवं अन्य वाहनों की सघन जांच

छिन्दवाड़ा। परिवहन आयुक्त एवं कलेक्टर श्री हरेंद्र नारायन के आदेशों के परिपालन में मंगलवार को अतिरिक्त क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी श्री अनुराग शुक्ला के मार्गदर्शन में परिवहन विभाग के विशेष जांच दल द्वारा चांद-बिछुआ क्षेत्र में स्कूल वाहनों एवं अन्य वाहनों की सघन जांच की गई। जांच के दौरान लेवर में संचालित ऐसे वाहन, जिनके दस्तावेज अपूर्ण पाए गए तथा जो ओवरलोडिंग करते हुए मिले, उनमें से 4 वाहनों को जब्त कर थाना बिछुआ में सुरक्षार्थ खड़ा कराया गया। अन्य कार्रवाई के तहत 13 वाहनों पर चालानी कार्रवाई की गई, जिससे 47,000 रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ। परिवहन विभाग द्वारा स्कूल वाहन संचालकों एवं चालकों को समझाइश दी गई कि वे मोटरयान अधिनियम, 1988 के प्रावधानों के तहत ही वाहनों का संचालन करें।

छिंदी, पांडूपिपरिया, इटावा, पंचायत में एलईडी सप्लाई करने वाली फर्मों की नहीं हुई पड़ताल

हरिभूमि की खबरें बनी जांच अधिकारियों की कमाई का जरिया

हरिभूमि न्यूज ⏭ तामिया

तामिया। जनपद पंचायत तामिया की ग्राम पंचायत छिंदी, पांडू, पिपरिया और ईटावा में पंचायतों के संचालन एवं शासकीय राशि के उपयोग को लेकर सवाल उठ रहे हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि महिला सरपंचों के निर्वाचित होने के बावजूद कई पंचायतों में उनके पतियों का हस्तक्षेप रहता है। वहीं, छिंदी, पांडू और पिपरिया पंचायतों का कामकाज प्रभारी सचिवों के भरोसे होने से व्यवस्थाओं पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। ग्रामीणों के मुताबिक, शासन से जनहित के कार्यों के लिए मिलने वाली राशि का उपयोग निर्धारित उद्देश्यों के बजाय कथित तौर पर मनमाने तरीके से किया जा रहा है। इससे जनपद पंचायत के अधिकारियों की भूमिका को लेकर भी चर्चाएं तेज हैं।


हरिभूमि छिंदवाड़ा भूमि
छिंदी पंचायत में एलईडी खरीदी पर उठे सवाल, दो फर्मों से खरीद की जांच की मांग

LED खरीदी में भुगतान को लेकर उठे सवाल

पिछले दिनों हरिभूमि में इन पंचायतों में **LED** लगाने के नाम पर कथित फर्जी फर्मों को लाखों रुपये के भुगतान का मामला सामने आने की बात कही गई थी। इसके बावजूद ग्रामीणों का दावा है कि अब तक कोई ठोस कार्रवाई नजर नहीं आई है। हालांकि, भुगतान की वास्तविक स्थिति और कथित अनियमितताओं की पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी। ग्रामीणों का आरोप है कि ग्रामसभा के प्रस्ताव और पंचायत की बैठक में विधिवत प्रस्ताव पारित किए बिना ही **LED** खरीदी के निर्णय लिए गए। यदि ऐसा हुआ है, तो यह पंचायत की निर्णय प्रक्रिया और वित्तीय पारदर्शिता पर गंभीर सवाल खड़े करता है।

जांच नहीं होने से बढ़ रहा असंतोष

पंच, उपसरपंच और जागरूक नागरिक मामले की निष्पक्ष जांच की मांग कर रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि लिखित शिकायतों के बावजूद कार्रवाई नहीं होने से उन्हें जांच की निष्पक्षता पर संदेह होने लगा है। जनपद स्तर के अधिकारियों को मामले की जानकारी होने के बावजूद कार्रवाई नहीं किए जाने के आरोप भी लगाए जा रहे हैं। अब सवाल यह है कि **LED** खरीदी और भुगतान से जुड़े दस्तावेजों की जांच कब होगी? क्या संबंधित पंचायतों के रिकॉर्ड, फर्मों के बिल और भुगतान की प्रक्रिया की पड़ताल कर जिम्मेदारी तय की जाएगी? ग्रामीणों को जिला प्रशासन से निष्पक्ष जांच और दोषी पाए जाने वालों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की उम्मीद है।

नवीन जिला शिक्षा कार्यालय को मिली स्वीकृति, शिक्षा व्यवस्था को मिलेगी नई गति और मजबूती

पांढुर्णा। जिले के शैक्षिक विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, मध्य प्रदेश सरकार की कैबिनेट ने पांढुर्णा जिले में नवीन जिला शिक्षा कार्यालय के संचालन को औपचारिक मंजूरी प्रदान कर दी है। इस निर्णय से पांढुर्णा में प्रशासनिक व्यवस्था और अधिक सुदृढ़ होगी। जिला स्तर पर कार्यालय के संचालन से शासकीय विद्यालयों की सुचारू निगरानी और विभागीय कार्यों के समन्वय में उल्लेखनीय सहायता मिलेगी। शासन की विभिन्न शैक्षणिक योजनाओं और कार्यक्रमों का लाभ स्थानीय स्तर पर छात्र-छात्राओं तक अधिक तेजी से पहुंच सकेगा। शिक्षकों और शिक्षा विभाग से जुड़े कार्यों तथा समस्याओं का निराकरण अब स्थानीय स्तर पर ही सुगमता से हो सकेगा। इस सराहनीय निर्णय से जिले के छात्र-छात्राओं और शिक्षकों को बड़ी सुविधा मिलेगी, जिससे पांढुर्णा के शिक्षा क्षेत्र में विकास कार्यों की रफ्तार और अधिक तेज होगी। नगरमंडल अध्यक्ष बंटी छागाणी ने इस निर्णय पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि हमारी सरकार पांढुर्णा के विकास के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। शासन के इस महत्वपूर्ण कदम का सीधा और सकारात्मक प्रभाव पांढुर्णा की संपूर्ण शिक्षा व्यवस्था पर पड़ेगा। पिछड़ा वर्ग मोर्चा जिला अध्यक्ष रामेश्वर खोडे ने भाजपा सरकार के इस फैसले का स्वागत करते हुए बताया कि इस निर्णय से आगामी दिनों में पांढुर्णा जिले में विकास कार्यों की रफ्तार और अधिक तेज होगी। उन्होंने विश्वास जताया कि इससे जिले के छात्र-छात्राओं को बड़ी सुविधाएं मिलेंगी।

सोमनाथ स्वाभिमान पर्व के अंतर्गत पोस्टर निर्माण प्रतियोगिता आयोजित

दमुआ, छिंदवाड़ा। उच्च शिक्षा विभाग के आदेशानुसार शासकीय महाविद्यालय दमुआ में प्राचार्य के मार्गदर्शन में 27 अक्टूबर को सोमनाथ स्वाभिमान पर्व के अंतर्गत पोस्टर निर्माण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

प्रतियोगिता का विषय "सोमनाथ मंदिर : राष्ट्र की आस्था और सांस्कृतिक चेतना" रखा गया। विद्यार्थियों ने पोस्टर निर्माण के माध्यम से सोमनाथ मंदिर के ऐतिहासिक, धार्मिक एवं सांस्कृतिक महत्व को कलात्मक रूप में प्रस्तुत किया।

इस आयोजन का उद्देश्य विद्यार्थियों में भारतीय संस्कृति, ऐतिहासिक विरासत, राष्ट्रीय गौरव एवं सांस्कृतिक चेतना के प्रति जागरूकता विकसित करना तथा उनकी रचनात्मक प्रतिभा को प्रोत्साहित करना था।कार्यक्रम संयोजनः डॉ. सरिता पाल एवं डॉ. पुष्पा मौर्य ने किया। समस्त स्टाफ का योगदान सराहनीय रहा।

ड्रोन सर्वे की बड़ी चूक, छूटे हुए ग्रामीणों का फूटा गुस्सा

चालीस से पचास ग्रामीणों ने लगाई जनसुनवाई में गुहार

हरिभूमि न्यूज ⏭ पांढुर्णा

जिले के कुकड़ी खापा गांव के करीब 40-50 ग्रामीण मंगलवार को कलेक्ट्रेट की जनसुनवाई में अपनी समस्या लेकर पहुंचे। ग्रामीणों का आरोप है कि गांव में हुए ड्रोन कैमरे के सर्वे में पटवारी की बड़ी लापरवाही और चूक के कारण पूरे गांव का सही सर्वे नहीं हो पाया, जिससे गांव का एक हिस्सा पूरी तरह सर्वे से छूट गया।



40 से अधिक परिवारों के अटके आवासीय पट्टे

सर्वे में आई इस तकनीकी और प्रशासनिक चूक के चलते गांव के 40 से 50 पात्र परिवारों को आवासीय पट्टों का लाभ नहीं मिल पा रहा है। अपने हक की जमीन और पट्टे के लिए दर-दर भटकने को मजबूर ग्रामीणों में इस बात को लेकर भारी नाराजगी है। कुकडीखापा के कैलाश धुर्वे, सुखदेव कुमरे, नीरज सलामे और रोशन धुर्वे सहित दर्जनों ग्रामीणों ने अपर कलेक्टर ज्योति ठाकुर को लिखित आवेदन सौंपते हुए मांग की है कि, छूटे हुए पूरे क्षेत्र का दोबारा सर्वे कराकर सभी पात्र परिवारों को जल्द से जल्द आवासीय पट्टे मुहैया कराए जाएं। इसके साथ ही मामले की निष्पक्ष जांच कर लापरवाह पटवारी के खिलाफ कार्रवाई की जाए।

प्रशासन का आश्वासन

अपर कलेक्टर ज्योति ठाकुर ने ग्रामीणों की पूरी बात सुनने के बाद मामले की गंभीरता को देखते हुए निष्पक्ष जांच कराने का सख्त आश्वासन दिया है। प्रशासन के इस आश्वासन के बाद ग्रामीणों को उम्मीद जगी है कि जल्द ही जांच पूरी होगी और उन्हें उनके अधिकार के आवासीय पट्टे मिल सकेंगे।

नीलगिरी पर धड़ल्ले से चल रही कुल्हाड़ी

पर्यावरण से किसी को नहीं कोई सरोकार

हरिभूमि न्यूज ⏭ परासिया

कोयलांचल क्षेत्र में जहां देखो वहां वर्षों पुराने नीलगिरि के बड़े - बड़े पेड़ नजर आते हैं । जिन पर धड़ल्ले से कुल्हाड़ी चलती नजर आ रही है । अपने फायदे के लिए लोग पर्यावरण को ताक में रख धड़ल्ले से पेड़ काट रहे हैं । यह स्तिथि कोयलांचल के हर क्षेत्र में नजर आ रही है । ताजा मामला परासिया की पी टी सी कोलोनी में मयूर वन से सटे क्षेत्र का है । जहां बड़ी संख्या में नीलगिरी के पेड़ काटे गए हैं । स्थानीय प्रशासन यह पता लगाने में जुटा है , कि मामला निकाय क्षेत्र का है , या वन विभाग का । इसका पता लगते ही अगला कदम बढ़ाया जाएगा । वहीं पेड़ कटवाने वाले



पेड़ों को ठिकाने लगाने की जुगत में है ।देखा जाए तो नीलगिरि के पेड़ काटने पर कोई शासकीय प्रतिबन्ध नहीं है , लेकिन पर्यावरण की दृष्टि से देखा जाए तो , वर्तमान में जो स्तिथि बनी हुई है , पर्यावरण की उस स्तिथि के लिए पेड़ों की लगातार कटाई होना मुख्य वजह है । परासिया और उसके आसपास के वे क्षेत्र जहां कोयला खदाने खुली और कामगार कालोनियाँ बनी , उन कालोनियों में , खदान के आसपास क्षेत्रों में बड़ी मात्रा में नीलगिरि के पेड़ लगे मिलेंगे । जो वर्षों पुराने हो चुके हैं । अक्सर देखा गया है , कि घरों , बंगलों , कार्यालयों में नीलगिरि के झाड़ लगे मिलेंगे । जिनके गिरने के डर से कई लोगों द्वारा इनकी छंटाई के नाम पर पूरे पेड़ काट लिए गए । और अब यह धंधा बना हुआ है।

श्रम निरीक्षक की तत्परता से मिली राहत, महिलाओं की शिकायत पर श्रम विभाग की त्वरित कारवाई

रात 11 बजे छूटने वाली महिला श्रमिकों के लिए वाहन व्यवस्था शुरू

हरिभूमि न्यूज ⏭ पांढुर्णा

जिले के औद्योगिक क्षेत्र बोरगांव स्थित सोना बिस्कुट संस्थान में काम करने वाली महिला श्रमिकों की एक बड़ी समस्या का श्रम विभाग ने त्वरित समाधान करा दिया है। दोपहर 3 से रात 11 बजे तक की पाली (शिफ्ट) में काम करने के बाद महिला श्रमिकों को देर रात घर लौटने के लिए किसी तरह के साधन या वाहन की सुविधा नहीं मिल पा रही थी, जिससे उनकी सुरक्षा और आवागमन को लेकर गंभीर परेशानी बनी हुई थी।

शिकायत मिलते ही हरकत में आया विभाग : मामले की शिकायत मिलते ही श्रम निरीक्षक सुश्री सरिता साहू ने बिना देर किए सीधे सोना बिस्कुट संस्थान पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया।



उन्होंने संस्थान में प्रबंधन के साथ बैठक की और देर रात काम खत्म होने के बाद महिला कर्मचारियों को होने वाली व्यावहारिक और सुरक्षात्मक समस्याओं से अवगत कराया।

सुरक्षित घर वापसी के लिए वाहन का प्रबंध

श्रम निरीक्षक की पहल और सख्त रुख के बाद, कंपनी प्रबंधन ने तुरंत कदम उठाते हुए रात 11 बजे ड्यूटी समाप्त होने पर महिला श्रमिकों की सुरक्षित घर वापसी के लिए वाहन की सुविधा उपलब्ध करा दी है। देर रात वाहन की व्यवस्था होने से संस्थान में कार्यरत महिला श्रमिकों ने राहत की सांस ली है।
कारवाई के दौरान श्रम निरीक्षक सरिता साहू ने नियोजक को श्रम विभाग के नियमों और कानूनी प्रावधानों की जानकारी दी। उन्होंने स्पष्ट किया कि औद्योगिक संस्थानों में महिला श्रमिकों की सुरक्षा, सुविधा और नियमानुसार आवश्यक व्यवस्थाएं प्रदान करना प्रबंधन की प्राथमिक जिम्मेदारी है।

औद्योगिक क्षेत्र में ठेकेदारों की मनमानी, शोषण का पर्दाफाश

12 घंटे काम, सुरक्षा नदारद, श्रम विभाग की त्वरित कार्रवाई से बची महिला श्रमिकों की रात

हरिभूमि न्यूज ⏭ सौंसर

सौंसर क्षेत्र के औद्योगिक क्षेत्रों में कंपनियों और ठेकेदारों द्वारा कामगारों के शोषण के मामले लगातार बढ़ते जा रहे हैं। औद्योगिक क्षेत्र बोरगांव की कंपनियों में ठेकेदारों की मनमानी और लापरवाही इस कदर हावी है कि कामगारों के अधिकारों का सरेआम हनन हो रहा है।

हाल ही में बोरगांव स्थित 'सोना बिस्कुट' संस्थान से एक गंभीर मामला सामने आया, जहां रात के वक्त काम करने वाली महिला श्रमिकों को घर लौटने के लिए वाहन तक उपलब्ध नहीं कराया जा रहा था, जिससे उनकी सुरक्षा पर बड़ा संकट खड़ा हो गया था।



सामने आया मामला, श्रम विभाग ने लिया एक्शन

इसी शोषण और लापरवाही की कड़ी में मंगलवार को एक बार फिर महिला कामगारों की सुरक्षा से जुड़ा गंभीर मामला सामने आया। 'सोना बिस्कुट' संस्थान में दोपहर 3 बजे से रात्रि 11 बजे तक कार्य करने वाली महिला श्रमिकों को शिफ्ट समाप्त होने के बाद घर वापसी के लिए आवागमन का कोई साधन नहीं मिलने की शिकायत श्रम विभाग के अधिकारियों को की गई।शिकायत मिलते ही श्रम विभाग पांढुर्णा ने तत्काल संज्ञान लेते हुए त्वरित कार्रवाई की। श्रम निरीक्षक सुश्री सरिता साहू दल-बल के साथ तुरंत संस्थान पहुँचीं और नियोजक से तीखे शब्दों में चर्चा की। श्रम विभाग के दबाव के चलते आखिरकार संस्थान प्रबंधन को झुकना पड़ा और रात्रि में महिला श्रमिकों की सुरक्षित घर वापसी के लिए विशेष वाहन की व्यवस्था तत्काल सुनिश्चित कराई गई।

नियोजक को दी कड़ी चेतावनी

मौके पर पहुँचीं श्रम निरीक्षक सुश्री साहू ने संस्थान के नियोजक को श्रम विभाग के तमाम कानूनी प्रावधानों से सख्ती से अवगत कराया। उन्होंने स्पष्ट किया कि महिला श्रमिकों की सुरक्षा, उनके आवागमन की सुविधा और श्रम कानूनों का पालन करना कंपनी की नैतिक और कानूनी जिम्मेदारी है। विभाग की इस त्वरित कार्रवाई से जहाँ एक ओर रात्रि में घर लौटने वाली महिलाओं की समस्या का समाधान हुआ, वहीं औद्योगिक क्षेत्र के अन्य शोषणकारी ठेकेदारों में भी हड़कंप मच गया है। स्थानीय कामगारों ने मांग की है कि कंपनियों में चल रहे इस अवैध शोषण और सुरक्षा में बरती जा रही लापरवाही के खिलाफ प्रशासन को निरंतर और व्यापक जाँच अभियान चलाना चाहिए।

ठेकेदारों के हौसले बुलंद, नियमों की उड़ रही धज्जियां

जानकारों के अनुसार, बोरगांव औद्योगिक क्षेत्र की खाद्य पदार्थ बनाने वाली कई कंपनियों में ठेकेदारों द्वारा महिला ठेका कर्मचारियों से निर्धारित 8 घंटे के बजाय 12-12 घंटे तक काम लिया जा रहा है, और बदले में केवल 8 घंटे की ही मजदूरी थमाई जा रही है। हद तो तब हो जाती है जब फैक्ट्रियों के भीतर काम के दौरान कामगारों की सुरक्षा के कोई पुख्ता इंतजाम नहीं किए जाते। सुरक्षा उपकरणों के अभाव में आए दिन दुर्घटनाओं और जान-माल के नुकसान की आशंका बनी रहती है, लेकिन इसके बावजूद लापरवाह ठेकेदारों और प्रबंधकों पर कोई ठोस कार्रवाई न होने से उनके हौसले बुलंद हैं।

राष्ट्रीय मानवाधिकार सुरक्षा संस्थान छिंदवाड़ा के जिला अध्यक्ष बने कृष्णप्रताप सिंह



बिछुआ। राष्ट्रीय मानवाधिकार सुरक्षा संस्थान द्वारा बिछुआ विकासखंड के ग्राम गुमतरा निवासी कृष्णप्रताप सिंह रघुवंशी (रिंकू पटेल)पिता वीरपाल सिंह रघुवंशी को संगठन का छिंदवाड़ा जिला अध्यक्ष नियुक्त किया गया है।संगठन द्वारा जारी नियुक्ति पत्र के अनुसार उनका कार्यकाल 24 अक्टूबर 2027 तक मान्य रहेगा। संगठन पूरे भारत में मानव अधिकारों और अपराध के विरुद्ध कानून व पुलिस प्रशासन के सहयोग से कार्य करता है।संगठन ने आशा व्यक्त की है कि कृष्णप्रताप सिंह रघुवंशी निस्वार्थ भाव से लोगों के मूल अधिकारों के लिए कार्य करेंगे।

पवार समाज का वैचारिक सैलाब, राष्ट्रीय नेतृत्व ने फूंका एकजुटता का शंखनाद



बिछुआ: ऐतिहासिक नगरी धार की पावन धरा पर आगामी 9 एवं 10 जनवरी 2027 को आयोजित होने वाले राष्ट्रीय पवार क्षत्रिय महासभा के भव्य महाधिवेशन के उल्लासमय शंखनाद के साथ ही संपूर्ण मध्य प्रदेश में सामाजिक चेतना की नई लहर दौड़ पड़ी है। इसी तारतम्य में छिंदवाड़ा जिले के आंचलिक क्षेत्र बिछुआ में समाज के शीर्ष नेतृत्व की गरिमामयी उपस्थिति में एक अत्यंत महत्वपूर्ण एवं मार्गदर्शक बैठक जिले से राष्ट्रीय महासभा के पदाधिकारियों एवं स्वजातीय बंधुओं की उपस्थिति में संपन्न हुई। इस वैचारिक गोष्ठी और संगठनात्मक बैठक में राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नंदलाल चौधरी एवं राष्ट्रीय महासचिव श्री अर्पण बिसेन ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। बैठक का शुभारंभ सामाजिक आराध्यों के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ।सांस्कृतिक चेतना और वैचारिक मंथन का केंद्र बनी बैठकबैठक को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नंदलाल चौधरी ने कहा, ₹धार की भूमि राजा भोज की अमर कीर्ति और हमारे गौरवशाली इतिहास की साक्षी है। यह महाधिवेशन मात्र एक समागम नहीं, बल्कि पवार समाज के नव-जागरण, शैक्षणिक पुनरुत्थान और सांस्कृतिक अस्मिता को एक सूत्र में पिरोने का महायज्ञ है। बिछुआ की यह जागृति इस बात का प्रमाण है कि समाज अपनी जड़ों की ओर लौटने और एक स्वर्णिम भविष्य गढ़ने के लिए पूरी तरह तत्पर है।महाधिवेशन की रूपरेखा: आगामी 2027 में धार में जुटने वाले लाखों स्वजातीय बंधुओं के स्वागत, आवास, और वैचारिक सत्रों की तैयारियों से बिछुआ के सामाजिक कार्यकर्ताओं को अवगत कराया गया।जनसंपर्क का महाअभियान: बिछुआ ब्लॉक के अंतिम छोर के गांवों तक धार महाधिवेशन का अलख जगाने और पीले चावल देकर हर परिवार को आमंत्रित करने की रणनीति तैयार की गई।



NSUI ने मुख्यमंत्री का पुतला फूंक जताया आक्रोश

सौंसर। प्रदेश में बढ़ती अराजकता, लंबे समय से लंबित छात्र संघ चुनाव और लगातार हो रहे पेपर लीक जैसे गंभीर मुद्दों के विरोध में मंगलवार दोपहर भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन जिला एनएसयूआई के कार्यकर्ताओं ने रैली निकालकर विरोध प्रदर्शन किया। सौंसर बस स्टैंड परिसर में एनएसयूआई के तत्वावधान में आयोजित इस प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के खिलाफ जोरदार नारेबाजी करते हुए उनका पुतला दहन किया।बस स्टैंड पर पुलिस बल की मौजूदगी के बावजूद एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने विरोध स्वरूप पुतले में आग लगा दी। देखते ही देखते पुतला धू-धू कर जल उठा। मौके पर मौजूद फायर ब्रिगेड की टीम जब जलते हुए पुतले को बुझाने के लिए पानी का पाइप लेकर आगे बढ़ी, तो एनएसयूआई जिलाध्यक्ष जिम्मी टाकभौरे ने फायर ब्रिगेड कर्मचारियों को रोक दिया। इसके चलते पुलिस और फायर ब्रिगेड की मौजूदगी में पुतला पूरी तरह जलकर खाक हो गया।प्रदर्शन की अगुवाई कर रहे जिला एनएसयूआई अध्यक्ष जिम्मी टाकभोरे ने कहा कि प्रदेश में बेरोजगारी, भ्रष्टाचार, अराजकता और पेपर लीक की घटनाओं से छात्र-युवा पस्त हैं। वर्षों से छात्र संघ चुनाव बंद पड़े हैं, जिससे विद्यार्थियों को अपनी जायज मांगें और समस्याएं उठाने के लिए लोकतांत्रिक मंच नहीं मिल पा रहा है। इस प्रदर्शन के दौरान नोमन खान, पंकज बसोड़, रितिक सालोटकर, पारस गायकवाड, अमित सिरसाम, करण धुर्वे, अमोल गायकवाड और नयन वाटकर सहित बड़ी संख्या मे कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

शरद पूर्णिमा पर हुए गुजराती समाज में रंगारंग कार्यक्रम

कार्यक्रम में उपस्थित हुए पत्रकारों को भी समाज ने किया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ⏭ छिंदवाड़ा



गुजराती समाज भवन में शरद पूर्णिमा उत्सव का आयोजन किया गया जिसमें समाज के बच्चों और बड़ों द्वारा रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए कार्यक्रम में नृत्य, गीत तथा फैंसी ड्रेस का आयोजन किया गया। नृत्य में श्रीमती संस्कृति चोटलिया की नृत्य प्रस्तुति ने दर्शकों का मन जीत लिया उनके द्वारा दी गई प्रस्तुति अत्यंत मनमोहक रही।

वही गीत में डॉक्टर भाविन शाह, हार्दिक रजानी तथा मनीष भट्ट ने अपने सुरो के जादू बिखेरे, आठ सदस्यों की टीम ने एक गीतमाला प्रस्तुत की जिसमें क्रमशः एक छोटे से बालक पर्व परमार की प्रस्तुति से प्रारंभ होकर हार्दिक राजानी, सीमा बेन भट्ट, प्रीति बेन सूचक, नीता बेन शाह, डॉ भाविन भाई शाह, विधी बेन परमार और जितेंद्र भाई विश्वकर्मा द्वारा लगातार आठ गीत प्रस्तुत किए गए।

फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता हेतु निर्णायक द्वय श्रीमती रचना श्रीवास्तव एवं श्रीमती क्षमा चंद बढ़घैया को सम्मानित किया जाकर स्मृति चिन्ह भेंट किया गया। समाज के वरिष्ठ सदस्य मनोज भाई बाटविया द्वारा नवरात्र उत्सव में 9 दिन गरबा गाने वाले गायकों तथा वाद्य यंत्र पर संगत देने वाले बच्चों और बड़ों को सम्मान स्वरूप पुरस्कार प्रदान किए गए। इसी क्रम में नवरात्र उत्सव के दौरान 9 दिन चली प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार भी समाज के वरिष्ठ सदस्यों द्वारा प्रदान किए गए। 9 दिन निकलने वाले लकी ड्रॉ कूपन के तथा उत्कृष्ट कार्य करने वाले प्रतियोगिता प्रभारीयों हिना बेन बाटविया, प्रीति बेन सूचक, जया बेन शाह, प्रीति बेन रतानी, तुलसी बेन शुक्ला तथा रुक्मणी बेन चौहान को भी पुरस्कृत किया गया।

गुजराती समाज के अध्यक्ष अश्विनी भाई भट्ट द्वारा सफल नवरात्रि उत्सव हेतु प्रबंध समिति, युवा मंडल, महिला मंडल एवं बाल मंडल को बधाई देते हुए धन्यवाद वह आभार ज्ञापित किया। कार्यक्रम में समस्त समाज जनों को अल्पाहार तथा रात्रि 12:00 बजे प्रसादी स्वरूप दूध वितरित किया गया। कार्यक्रम का संचालन रोहित भाई शाह एवं संचिता बेन शाह द्वारा किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित हुए पत्रकारों को भी समाज द्वारा सम्मानित किया गया।

बेरडी में स्व. दिलीप गुर्वे की स्मृति में नि:शुल्क नेत्र जांच शिविर

सौंसर। ग्राम बेरडी स्थित बाजार चौक के श्री हनुमान मंदिर परिसर में मंगलवार को यू फ्रॉर एच फाउंडेशन के तत्वावधान में नि:शुल्क नेत्र जांच एवं उपचार शिविर का सफल आयोजन किया गया। यह शिविर सौंसर के पूर्व सरपंच संगठन अध्यक्ष एवं बेरडी के पूर्व सरपंच स्व. दिलीपजी तुलसीराम गुर्वे की पावन स्मृति में जगन्नाथ नेत्रालय, नागपुर के सहयोग से आयोजित हुआ। शिविर के दौरान नागपुर से आए विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम द्वारा लगभग 162 से अधिक ग्रामीणों की आंखों की गहन जांच की गई। इस अवसर पर मरीजों को आंखों की देखभाल के लिए आवश्यक डॉक्टरी सलाह दी गई तथा मोतियाबिंद से पीड़ित मरीजों की पहचान कर उन्हें आगे के नि:शुल्क व रियायती उपचार की जानकारी दी गई। शिविर में जरूरतमंदों को नाम मात्र की दर पर चश्मे भी उपलब्ध कराए गए।फाउंडेशन के अंकित दिलीप गुर्वे ने बताया कि फाउंडेशन के माध्यम से निरंतर दिन दुखियो की मदद के साथ ही सौसर अस्पताल से एंबुलेंस की सेवाएं निरंतर पीड़ितों एवं घायलों को देते हुए समाज सेवा का कार्य किया जा है। अभी कुछ दिनों पूर्व बेरडी में सुवरटेक हॉस्पिटल के सहयोग से विशाल स्वास्थ्य शिविर का भी आयोजन किया गया था।

प्रशासनिक सरपरस्ती में भ्रष्टाचारी का दुस्साहस

किरनापुर तहसील कार्यालय में किसान सम्मान निधि के नाम पर खुली लूट

हरिभूमि न्यूज किरनापुर। केंद्र और राज्य सरकार द्वारा किसानों को आर्थिक राहत देने के उद्देश्य से शुरू की गई किसान सम्मान निधि योजना (जिसके तहत किसानों को प्रतिवर्ष 12,000 रु.की राशि दी जाती है अब भ्रष्टाचार और अवैध वसूली का जरिया बन चुकी है। किरनापुर तहसील कार्यालय में योजना में नाम जुड़वाने और दस्तावेज प्रक्रिया पूरी करने के एवज में किसानों से सरेआम वसूली का खेल चल रहा है।



आरोप है कि किरनापुर तहसील कार्यालय में पदस्थ सहायक ई-गवर्नेंस प्रबंधक (AEGM) रामशंकर पटले द्वारा सम्मान निधि की सूची में नाम जोड़ने और दस्तावेजों की प्रविष्टि के नाम पर गरीब और सीधे-साधे किसानों से एक हजार रु. से लेकर तेरह हजार रु. तक की अवैध उगाही की जा रही है। पीड़ित किसानों का कहना है कि पैसे देने के बावजूद महीनों बीत जाने पर भी सूची में नाम दर्ज नहीं किया जाता। चक्कर काट-काटकर परेशान किसान अब खुद को ठगा हुआ महसूस कर रहे हैं।

पीड़ित किसानों ने आपबीती सुनाते हुए बताया कि उनसे काम निपटाने का झांसा देकर मोटी रकम ऐंठ ली गई लेकिन इसके बाद भी उन्हें योजना की किस्तें नहीं मिल रही हैं। जब किसान अपने हक का जवाब मांगने कार्यालय जाते हैं तो उन्हें केवल आश्वासन और टालमटोल ही हाथ लगती है।

ऐसा नहीं है कि इस भ्रष्टाचार की जानकारी उच्च अधिकारियों को नहीं है। कुछ हिम्मतवर किसानों ने हिम्मत जुटाकर कलेक्टर कार्यालय बालाघाट में शिकायत दर्ज कराई। लेकिन प्रशासनिक उदासीनता का आलम यह है कि जांच के नाम पर केवल खानापूर्ति की गई और मामला ठंडे बस्ते में डाल दिया गया।

स्थानीय निवासियों का आरोप है कि रामशंकर पटले पर बीते कुछ सालों में भी अवैध वसूली की गंभीर शिकायतें दर्ज हुई थीं लेकिन राजस्व विभाग के संरक्षण के चलते हर बार उस पर कोई सख्त कार्रवाई नहीं हुई। तहसील स्तर की शह के कारण ही उसके हौसले इतने बुलंद हैं। गरीबों और अन्नदाताओं के हक पर डाका डालने वाले इस कर्मचारी पर प्रशासन सख्त कार्रवाई क्यों नहीं कर रहा? क्या राजस्व विभाग की चुप्पी भ्रष्टाचार में उसकी मौन सहमति को दर्शाती है? बार-बार शिकायत के बावजूद जांच रिपोर्ट सार्वजनिक क्यों नहीं की जाती? क्षेत्रीय पीड़ित और आक्रोशित किसानों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि आरोपी बाबू के खिलाफ निष्पक्ष एवं त्वरित जांच बिठाकर सख्त दंडात्मक कार्रवाई की जाए तथा ठगे गए किसानों की राशि वापस दिलाते हुए उन्हें सम्मान निधि का लाभ दिलाया जाए।

शरद महोत्सव में उमड़ा जनसैलाब, अतिथियों ने समिति के प्रयासों को सराहा

सिविल क्लब ने कायम रखी सांस्कृतिक आयोजनों की 23 वर्षों से जारी है गौरवशाली परंपरा



हरिभूमि न्यूज वारासिवनी। नवदुर्गा उत्सव समिति सिविल क्लब वारासिवनी द्वारा 25 अक्टूबर को शरद पूर्णिमा के अवसर पर आयोजित सांस्कृतिक संध्या में बॉलीवुड के पाश्र्व गायक विनोद राठौड़, गायिका चांदनी मुखर्जी, सा रे गा मा पा 2023 से पहचान बनाने वाले गायक अब्दुल शेख और गायक सोनू की प्रस्तुतियों ने समां बांध दिया। आयोजकों के अनुसार कार्यक्रम में हजारों दर्शक व श्रोता शामिल हुए। देर रात तक चले कार्यक्रम में दर्शकों ने गीत.संगीत का आनंद लिया।

कार्यक्रम में विधायक विवेक पटेल, आईजी ललित साक्यावार, पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा, सीएसपी अभिषेक सिर्रा अतिथि के रूप में शामिल हुए। समिति संरक्षक राजेश पाठक, कन्हैया लाल पात्रे, अजय मिश्रा और जे एल बिसेन भी उपस्थित रहे। समिति अध्यक्ष संजय सिंह कछवाहा ने अतिथियों का स्वागत किया।

बालीवुड के प्रसिद्ध गायक विनोद राठौड़ ने कोई न कोई चाहिए प्यार करने वाला, बचना ऐ हसीनों और नायक नहीं खलनायक हूं मैं जैसे लोकप्रिय गीत प्रस्तुत किए। गायिका चांदनी मुखर्जी ने सात समुंदर पार, आज की रात हुस्न का मजा आंखों से लीजिए और लैला मैं लैला जैसे गीतों से दर्शकों का मनोरंजन किया। अब्दुल शेख ने या अली, देखा जो तुझे यार दिल में बजे गिटार और जवानी फिर न आए जैसे गीत प्रस्तुत कर युवाओं में उत्साह भर दिया। उन्होंने दर्शकों की ओर एक टी शर्ट भी उछाली। अब्दुल शेख ने वर्ष 2025 में फिल्म तुमको मेरी कसम के लिए भी पाश्र्वगायन किया है। गायक सोनू ने क्या मुझे प्यार है सहित अन्य गीतों की प्रस्तुति दी।

इस अवसर पर विधायक विवेक पटेल ने कहा कि वारासिवनी अपनी सांस्कृतिक परंपरा की ओर लौट रहा है। नवदुर्गा उत्सव समिति वर्षों से शरद महोत्सव आयोजित कर रही है, जिसमें देश के प्रसिद्ध कलाकार प्रस्तुतियां देने पहुंचते हैं। उन्होंने क्षेत्रवासियों के सुख, समृद्धि और अच्छे स्वास्थ्य की कामना की।

समिति संरक्षक राजेश पाठक ने कहा कि समिति की सांस्कृतिक यात्रा 23 वर्षों से जारी है, जबकि पूजा की परंपरा 38 वर्ष पुरानी है। उन्होंने अध्यक्ष संजय सिंह कछवाहा और पूरी टीम के सामूहिक प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि सिविल क्लब मैदान ने प्रदेश में अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है।

समिति अध्यक्ष संजय सिंह कछवाहा ने आयोजन में सहयोग देने वाले नगरवासियों, संरक्षकों, दानदाताओं, शासकीय विभागों, कार्यकर्ताओं और समिति सदस्यों के प्रति आभार जताया। आयोजन की व्यवस्थाओं में क्रिस्टल इवेंट के डायरेक्टर जोहेब पटेल और उनकी टीम का योगदान रहा। मंच संचालन पत्रकार अशफाक खान ने किया, जबकि एंकर भाविका ने कार्यक्रम के संचालन क्रम में सहयोग दिया।

कटंगी-वारासिवनी मार्ग पर ट्रैक्टर-बाइक की भिड़ंत, बाइक सवार घायल

कटंगी। कटंगी से वारासिवनी मुख्य सड़क मार्ग पर ग्राम आगरी में रविवार रात एक सड़क हादसा हो गया। ट्रैक्टर और बाइक के बीच हुई भिड़ंत में बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसका शासकीय अस्पताल कटंगी में उपचार जारी है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार हादसा 26 अक्टूबर की रात करीब साढ़े 9 बजे के आसपास हुआ। ट्रैक्टर चालक की पहचान किरथ पिता देवकरण पटले उम्र 40 वर्ष, निवासी सिंगोड़ी के रूप में हुई है, जबकि घायल बाइक सवार अनिराम पिता सेवालाल पन्द्रे उम्र 35 वर्ष, निवासी ग्राम माडपुरा आदेगांव, जिला सिवनी है। बताया गया कि अनिराम वारासिवनी में अपने किसी रिश्तेदार के यहां से वापस आदेगांव लौट रहे थे, तभी आगरी के पास यह हादसा हो गया। घटना के तुरंत बाद संजीवनी 108 और 112 घटनास्थल पर पहुंची। संजीवनी 108 की मदद से घायल को कटंगी अस्पताल पहुंचाया गया। मंगलवार को पुलिस ने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। प्रारंभिक तौर पर हादसे की वजह सड़क पर बने एक गड्ढे को माना जा रहा है।

दीघोरी के आखर चौक में आस्था, सेवा और लोक संस्कृति का संगम, शरद पूर्णिमा पर मोतियाबिंद जांच शिविर सहित विशाल भंडारे का आयोजन

28 मरीज मोतियाबिंद उपचार के लिए चयनित, पारंपरिक जस-भजन मुकाबले में महिला कलाकारों ने बांधा समां; सामाजिक एकता से समग्र ग्राम विकास का दिया संदेश



हरिभूमि न्यूज लांजी। लोक आस्था, धार्मिक परंपराओं और ग्रामीण लोक संस्कृति से जुड़े शरद पूर्णिमा पर्व को ग्राम दीघोरी के आखर चौक में हर्षोल्लास, श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। ग्राम विकास समिति के तत्वावधान में आयोजित इस विशेष कार्यक्रम में धार्मिक आस्था के साथ सामाजिक सेवा, जनकल्याण और सांस्कृतिक परंपराओं का अनूठा संगम देखने को मिला। आयोजन के अंतर्गत जरूरतमंद ग्रामीणों के लिए मोतियाबिंद जांच शिविर लगाया गया, जिसमें जांच के बाद 28 मरीजों को मोतियाबिंद उपचार के लिए चयनित किया गया। वहीं, शाम को विशाल भंडारे का आयोजन कर श्रद्धालुओं को प्रसादी वितरित की गई। रात्रि में पारंपरिक दुय्यम जस-भजन मुकाबले ने ग्रामीणों को देर रात तक धार्मिक भक्ति और लोक संस्कृति से जोड़े रखा। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीणों एवं श्रद्धालुओं की सहभागिता रही।

शरद पूर्णिमा के पावन अवसर पर आखर चौक में आयोजित नेत्र जांच शिविर ग्रामीणों के लिए विशेष आकर्षण और जनसेवा का महत्वपूर्ण माध्यम बना। शिविर में ग्रामीणों की आंखों की जांच की गई तथा जांच के उपरांत 28 मरीजों को मोतियाबिंद उपचार के लिए चयनित किया गया। धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजन के साथ स्वास्थ्य सेवा को जोड़ने की इस पहल की ग्रामीणों ने सराहना की। आयोजन का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने के साथ जरूरतमंद लोगों तक चिकित्सा सुविधाओं का लाभ पहुंचाने की भावना को प्रोत्साहित करना रहा।ग्रामीण अंचलों में इस प्रकार के स्वास्थ्य शिविर विशेष महत्व रखते हैं, क्योंकि इनके माध्यम से लोगों को अपनी आंखों की जांच कराने और समय पर उपचार की दिशा में आगे बढ़ने का अवसर मिलता है। शरद पूर्णिमा जैसे धार्मिक पर्व पर सेवा कार्य आयोजित कर ग्राम विकास समिति ने सामाजिक जिम्मेदारी और जनकल्याण की भावना को भी सामने रखा।

कार्यक्रम के अंतर्गत शाम के समय आखर चौक में विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। इसमें बड़ी संख्या में ग्रामीणों एवं श्रद्धालुओं ने सहभागिता करते हुए प्रसादी ग्रहण की। पूरे आयोजन के दौरान धार्मिक उत्साह और सामूहिक सहभागिता का वातावरण बना रहा। ग्रामीणों ने एक-दूसरे के साथ पर्व की खुशियां साझा कीं। भंडारे के माध्यम से सेवा, सहयोग और आपसी सद्भाव की भावना को मजबूत करने का प्रयास किया गया।ग्राम स्तर पर आयोजित ऐसे धार्मिक कार्यक्रम ग्रामीणों को एक मंच पर लाने के साथ सामाजिक संबंधों को प्रगाढ़ बनाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। आयोजन में धार्मिक आस्था के साथ सामूहिक सहभागिता की भावना स्पष्ट रूप से दिखाई दी।

निरीक्षण करने और मेमू ट्रेनों को डेडिकेटेड रैक से चलाने की मांग

आरयूपीडब्ल्यूए ने डीआरएम के नाम सौंपा ज्ञापन



हरिभूमि न्यूज कटंगी। रेलवे अप डाउनर्स प्रोग्रेसिव वेलफेयर एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने मंगलवार 27 अक्टूबर को रेलवे स्टेशन कटंगी में स्टेशन प्रबंधक को 2 सूत्रीय मांगों को लेकर दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे मंडल रेल प्रबंधक, नागपुर मंडल के नाम ज्ञापन सौंपा है। ज्ञापन के जरिए बालाघाट-तुमसर-गोंदिया रेलखंड की समस्याओं को लेकर बड़ी मांग उठाई है। एसोसिएशन ने डीआरएम से मांग की है कि वह बालाघाट-तुमसर रेलखंड और तिरोड़ी, कटंगी, वारासिवनी रेलवे स्टेशन का पुनः निरीक्षण करें और गोंदिया-बालाघाट-तिरोड़ी रेलखंड में मेमू ट्रेनों की लेट-लतीफी को खत्म करने के लिए डेडिकेटेड रैक से ट्रेनों का परिचालन किया जाए। एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष विवेक शर्मा ने बताया कि डीआरएम ने 30 दिसंबर 2024 को कार्यभार ग्रहण करने के बाद 27 फरवरी 2025 को बालाघाट-तुमसर रेलखंड के अंतर्गत तिरोड़ी, कटंगी और वारासिवनी रेलवे स्टेशन का निरीक्षण किया था। उस दौरान उन्होंने यात्रियों के बीच जाकर उनकी समस्याएं सुनी थी और समाधान का आश्वासन दिया था, जिससे यात्रियों में सकारात्मक उम्मीद जगी थी। लेकिन अब करीब 20 महीने बीत जाने के बाद उन्होंने पुनः निरीक्षण नहीं किया। एसोसिएशन का आरोप है कि नागपुर मंडल के अन्य रेलखंडों में लगातार निरीक्षण हो रहे हैं, लेकिन बालाघाट-तुमसर रेलखंड को अपेक्षित प्राथमिकता नहीं मिल पा रही है। इससे स्थानीय समस्याएं, असुविधाएं और यात्रियों की वास्तविक जरूरतें प्रत्यक्ष रूप से सामने नहीं आ पा रही हैं। यात्रियों और नागरिकों में निराशा है। एसोसिएशन ने स्पष्ट किया कि उनका उद्देश्य आलोचना नहीं, बल्कि यात्रियों की समस्याओं को संज्ञान में लाकर समाधान की दिशा में पहल सुनिश्चित करना है।

एसोसिएशन ने गोंदिया, बालाघाट, वारासिवनी, कटंगी, तिरोड़ी रेलखंड में मेमू ट्रेनों के संचालन में हो रही रोज की देरी का मुद्दा उठाया है। पदाधिकारियों ने बताया कि वर्तमान में इस खंड में मेमू ट्रेनों का संचालन रैक शेयरिंग पद्धति से किया जा रहा है। यह पद्धति तकनीकी रूप से कारगर जरूर है, लेकिन तब जब रोलिंग स्टॉक सीमित हो और उसका अधिकतम उपयोग करना हो। लेकिन इसका सबसे बड़ा नुकसान यह है कि यदि किसी एक ट्रेन नंबर का एक भी फेरा लेट होता है तो उस रैक से जुड़े अन्य सभी पेयरिंग ट्रेन नंबर अपने आप लेट हो जाते हैं। एसोसिएशन ने कहा है कि रोजाना गाड़ी संख्या 68803 बल्लारशाह-गोंदिया मेमू ट्रेन गोंदिया रोज 2 से ढाई घंटे देरी से पहुंचती है। इसके लेट होने से गाड़ी संख्या 68809/10 गोंदिया-तिरोड़ी-गोंदिया ट्रेन स्वतः लेट हो जाती है। और इसके लेट होने से इसकी पेयरिंग रैक गाड़ी संख्या 68811/12 गोंदिया-कटंगी-गोंदिया भी लेट हो जाती है। इससे इस पूरे रेलखंड में यात्रा करने वाले हजारों यात्री, छात्र, व्यापारी और नौकरीपेशा लोग अत्यधिक परेशान हैं। इस दौरान विवेक शर्मा, आदित्य दीक्षित, हर्ष अग्रवाल सहित अन्य जन मौजूद रहे।

खबर संक्षेप



खड़गे की टिप्पणी के विरोध में भाजपा कार्यकर्ताओं ने फूंका पुतला

हरिभूमि न्यूज सिवनी। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लेकर कथित तौर पर अमर्यादित शब्दों का प्रयोग किए जाने के विरोध में पूर्व जिला अध्यक्ष प्रेम तिवारी के नेतृत्व में पुतला दहन किया गया। इस दौरान भाजपा के वरिष्ठ नेताओं, पदाधिकारियों एवं कार्यकतार्ओं ने विरोध प्रदर्शन करते हुए इस प्रकार की टिप्पणी पर नाराजगी जताई।

प्रस्फुटन समितियों का सेक्टर स्तरीय क्षमतावर्धन प्रशिक्षण संपन्न

धनोरा। मध्यप्रदेश जनअभियान परिषद, विकासखंड धनोरा, जिला सिवनी के प्रस्फुटन शक्ति संचय अभियान अंतर्गत सेक्टर कुडारी के ग्राम पंचायत कुडारी में नवांकुर संस्था श्री विद्यासागर शिक्षा प्रचार समिति द्वारा प्रस्फुटन समितियों का सेक्टर स्तरीय क्षमतावर्धन प्रशिक्षण आयोजित किया गया।
कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा मां सरस्वती के छायाचित्र पर माल्यार्पण, दीप प्रज्वलन एवं पूजन-अर्चन के साथ हुआ।
प्रशिक्षण में मुख्य अतिथि समाजसेवी रामनरेश राय, शिक्षक संदीप चौधरी, विकासखंड समन्वयक श्याम उइके, पंचायत सचिव के.के. साहू, रोजगार सहायक अर्जुन बघेल, नवांकुर संस्था प्रतिनिधि अभिषेक जैन एवं मेंटर जितेंद्र डहेरिया सहित प्रस्फुटन समिति के सदस्य उपस्थित रहे।

गांव को नशा मुक्त बनाने के लिए महिलाओं ने दिखाई एक जुटता

हरिभूमि न्यूज सिवनी। गत दिवस 27 अक्टूबर दिन मंगलवार को ग्राम पंचायत सारस डोल,जनपद पंचायत केवलारी के अंतर्गत जनसुनवाई कार्यक्रम में ग्राम की जागरूक महिलाओं के द्वारा एक आवेदन दिया गया था,
जिसमें पूरी ग्राम पंचायत सारसडोल, टिकरी और बिछुवा तीन ग्राम आते हैं,के अंतर्गत शराब निकासी और बिक्री और शराब का सेवन करने में पूर्ण प्रतिबंध लगाने का आवेदन प्राप्त हुआ था, ग्राम पंचायत सरपंच, सचिव रोजगार सहायक और अन्य गण मान्य नागरिकों की उपस्थिति में सब की सर्वसम्मति से उक्त आवेदन के ऊपर कार्रवाई करते हुए पूरे ग्राम पंचायत शराबखोरी इसके अंतर्गत नशा मुक्त ग्राम बनाने और शराब प्रतिबंध करने के लिए संकल्प लिया गया, महिलाओं के द्वारा दिए गए आवेदन में चुनी गई महिलाओं की एक समिति अध्यक्ष राजेश्वरी पटले, उपाध्यक्ष सुनीता बघेल, कल्पना पटले, सचिव सावित्री धुर्वे एवं कोषाध्यक्ष सेवकन बाई धुर्वे और अन्य सदस्यों को रखा गया है, इस आधार पर यदि ग्राम में जो भी शराब निकलता है,और बिक्री करता है,और शराब का सेवन करता है, उसके ऊपर दंडात्मक कार्रवाई करते हुए ग्राम पंचायत कड़ी कार्यवाही करेगी.

कोतवाली पुलिस ने विद्युत तार चोरी की घटना का किया खुलासा

40 हजार का माल बरामद, दो आरोपी गिरफ्तार चोरी का माल खरीदने वाला कबाड़ी भी गिरफ्त में

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिवनी।

पुलिस अधीक्षक सिवनी कृष्ण लालचंदानी द्वारा चोरी एवं नकबजनी के अपराधों की रोकथाम हेतु दिए गए निदेर्शों के पालन में, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दीपक मिश्रा एवं एसडीओपी सिवनी चंचलेश मरकाम के मार्गदर्शन में थाना कोतवाली पुलिस को बड़ी सफलता प्राप्त हुई है।
दिनांक 25/10/2026 को प्रार्थी प्रमोद सराठे पिता घनश्याम सराठे उम्र 38 साल निवासी एमपीईबी कॉलोनी डालडा फैक्ट्री सिवनी ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि दिनांक 15/10/2026 की रात्रि में फरेदा रोड स्थित 11 के.वी. ए.जी. लाइन के 02 खम्बे एवं 02 स्पान विद्युत तार कीमती 40,000/- रुपये अज्ञात आरोपी चोरी कर ले गया है। रिपोर्ट पर थाना कोतवाली में अपराध क्र. 930/2026 धारा 136 म.प्र. विद्युत अधिनियम एवं 305(I) इठर के तहत मामला कायम कर विवेचना में लिया गया।
घटना को गंभीरता से लेते हुए थाना स्तर पर टीम गठित की गई। तकनीकी साक्ष्यों एवं पूर्व आपराधिक रिकॉर्ड के आधार पर साहू कबाड़ा, बायपास रोड डोलरीछतरपुर दुकान की सर्चिंग की गई, जहां चोरी गया विद्युत तार रखा मिला। कबाड़ा दुकान संचालक राजेन्द्र साहू से पूछताछ पर उसने उक्त तार शमीम



खान कबाड़ी निवासी चुनाभट्टी से खरीदना बताया। आरोपी मोहम्मद शमीम खान से पूछताछ करने पर उसने दिनांक 15/10/2026 की रात्रि ग्राम फरेदा से तार चोरी करना स्वीकार किया। पुलिस द्वारा आरोपियों से चोरी गए 02 क्विंटल विद्युत तार कीमती 40,000/- रुपये एवं घटना में प्रयुक्त ऑटो जप्त कर विधिवत गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष पेश कर जिला जेल सिवनी भेजा गया है।

गिरफ्तार आरोपी

1. मोहम्मद शमीम खान पिता रहमतुल्ला खान उम्र 59 साल निवासी चुनाभट्टी थाना डूंडासिवनी
2. राजेन्द्र साहू पिता गंगाप्रसाद साहू उम्र 61 साल निवासी साहू कबाड़ा, लूथरा पेट्रोल पंप के पास बायपास रोड डोलरीछतरपुर थाना डूंडासिवनी

सराहनीय भूमिका

निरीक्षक सतीश तिवारी, सउनि राजेन्द्र नागवंशी, प्रआर प्रदीप चौधरी, प्रआर सुधीर डहेरिया, प्रआर मुकेश गोडाने, आर प्रतीक बघेल, आर अंकित देशमुख, आर नीरज नागवंशी एवं चालक मोनू डहेरिया।

जुए के फड़ पर छापा, 5 जुआरी गिरफ्तार 1 लाख से अधिक नगदी व 3 चाकू जब्त

पुलिस अधीक्षक सिवनी कृष्ण लालचंदानी के कुशल निर्देशन तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दीपक मिश्रा एवं एसडीओपी बरघाट जितेंद्र जाट, एसडीओपी सिवनी श्री चंचलेश मरकाम के मार्गदर्शन में थाना कुरई, कोतवाली एवं डुंडासिवनी पुलिस को बड़ी सफलता प्राप्त हुई है। दिनांक 26.10.2026 को सउनि भूपेंद्र नागेश्वर को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि ग्राम दुगार्पुर के एक फार्महाउस के बरामदे में जुए का फड़ संचालित हो रहा है। सूचना की तस्दीक पर पुलिस टीम द्वारा योजनाबद्ध तरीके से घेराबंदी कर दबिश दी गई। मौके पर 5 व्यक्तियों को ताश के पत्तों पर रूपयों का दांव लगाते हुए रंगे हाथों पकड़ा गया।
तलाशी लेने पर फड़ एवं आरोपियों के पास से कुल 1,04,200/- रुपए नकद, 5 एंड्रॉइड मोबाइल, 52 ताश पत्ते बरामद हुए। फड़ पर बिछे आसमानी कंबल के नीचे तलाशी में आरोपी सुदेश वर्मा, शब्बीर डागौर और संतकुमार सराठे के पास से 3 धारदार चाकू भी जब्त किए गए, जिनके संबंध में कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किया गया। जप्त मशरूका का कुल मूल्य 2,55,400/- रुपए है। आरोपियों के विरुद्ध थाना कुरई में अपराध क्र. 465/2026 धारा 13 पब्लिक गेम्बलिंग एक्ट, 25 आर्म्स एक्ट एवं 111(1) इठर के तहत मामला पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है। प्रकरण में नागपुर के जुआंडियों की संलिप्तता की जांच कर उनके विरुद्ध कार्रवाई की जा रही है साथ ही फार्म हाउस मालिक के विरुद्ध भी कार्रवाई की जा रही है।
गिरफ्तार आरोपी - 1. जितेन्द्र पिता स्व. निर्मल डेहरवाल उम्र 32 साल निवासी नयेगाँव थाना कुरई 2. सुदेश वर्मा पिता राजकुमार वर्मा उम्र 48 साल निवासी रानीदुर्गावती वार्ड सिवनी 3. शब्बीर उर्फ कैलाश डागौर पिता मलखान डागौर उम्र 42 साल निवासी ललमटिया अम्बेडकर वार्ड सिवनी 4. संतकुमार उर्फ नानू सराठे पिता हजारीलाल सराठे उम्र 41 साल निवासी भोमा सालीवाड़ा थाना कान्हीवाड़ा 5. आकाश चौकसे पिता तिलक चौकसे उम्र 28 साल निवासी बारापत्थर सिवनी
सराहनीय भूमिका: थाना प्रभारी कुरई निरीक्षक कृपाल शाह तेकाम, थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक सतीश तिवारी, थाना प्रभारी डुंडासिवनी निरीक्षक चैनसिंह उईके, उनि इंजन सिंह मर्सकोले, उनि नीरज दुबे, सउनि भूपेन्द्र नागेश्वर, सउनि दिलीप सरयाम, प्रआर 568 महेंद्र परतेति, प्रआर 176 चंचलेश नरवरे, प्रआर नितेश राजपूत, प्रआर प्रदीप चौधरी, प्रआर सुधीर डेहरिया, आर 626 अविनाश पांडेय, आर 249 राजेन्द्र कटरे, आर दिलीप उईके, आर 411 यशपाल उईके।

तीन साल से अधिक समय से कृषि शाखा में पदस्थ शाखा प्रबंधक के स्थानांतरण की मांग

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिवनी।

सहकारी समिति कर्मचारी महासंघ ने कलेक्टर एवं बैंक प्रशासक को सौंपा ज्ञापन, शासन के निदेर्शों का पालन कराने की मांग

जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित, शाखा कृषि सिवनी में तीन वर्ष से अधिक समय से पदस्थ शाखा प्रबंधक एवं अन्य कर्मचारी के स्थानांतरण की मांग को लेकर मध्यप्रदेश सहकारी समिति कर्मचारी महासंघ, जिला इकाई सिवनी ने बैंक प्रशासक एवं कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा है।
महासंघ द्वारा 27 अक्टूबर 2026 को सौंपे गए ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि कार्यालय आयुक्त सहकारिता एवं पंजीयक सहकारी संस्थाएं, मध्यप्रदेश भोपाल द्वारा 21 अक्टूबर 2026 को जारी पत्र के अनुसार जिला सहकारी केंद्रीय बैंकों में कार्यरत अधिकारियों एवं कर्मचारियों की तीन वर्ष की पदस्थापना अवधि पूर्ण होने पर स्थानांतरण की आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं।
ज्ञापन में बताया गया कि शाखा कृषि सिवनी में पदस्थ शाखा प्रबंधक श्री दिनेश कुमार ब्रह्मवंशी 7 जुलाई 2023 से पदस्थ हैं। महासंघ के अनुसार उन्हें तीन वर्ष से अधिक समय हो चुका है। इसी शाखा में एक अन्य कर्मचारी भी तीन वर्ष से अधिक समय से कार्यरत है।
महासंघ ने शासन के निदेर्शों का पालन सुनिश्चित कराने के लिए दोनों कर्मचारियों का नियमानुसार स्थानांतरण करने की मांग की है। ज्ञापन में संबंधित अधिकारियों से इस संबंध में आवश्यक कार्रवाई करने का अनुरोध किया गया है।
शासन के निदेर्शों के पालन की मांग महासंघ ने कहा है कि तीन वर्ष से अधिक समय से एक ही शाखा में पदस्थ कर्मचारियों के स्थानांतरण के संबंध में शासन के निदेर्शों का समुचित पालन किया जाना चाहिए। ज्ञापन की प्रतिलिपि जिला सहकारी केंद्रीय बैंक के मुख्य कार्यपालन अधिकारी तथा उपायुक्त सहकारिता, सिवनी को भी आवश्यक कार्रवाई के लिए भेजी गई है।

सिवनी में चार दिवसीय आर्ट ऑफ लिविंग हैप्पीनेस प्रोग्राम उत्साह एवं सकारात्मक ऊर्जा के साथ सफलतापूर्वक संपन्न

सुदर्शन क्रिया, ध्यान एवं प्राणायाम के माध्यम से प्रतिभागियों ने सीखे तनावमुक्त और खुशहाल जीवन जीने के गुर

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिवनी।

आर्ट ऑफ लिविंग परिवार सिवनी के तत्वावधान में 23 से 26 अक्टूबर 2026 तक होटल द ग्रैंड रजवाड़ा, जबलपुर रोड, सिवनी में आयोजित चार दिवसीय हैप्पीनेस प्रोग्राम उत्साह, उमंग एवं आध्यात्मिक वातावरण के बीच सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस विशेष प्रशिक्षण शिविर में आर्ट ऑफ लिविंग के अनुभवी प्रशिक्षक श्री भूपेंद्र जी (शानू भैया) एवं श्री आनंद जी के सानिध्य में प्रतिभागियों ने विश्वप्रसिद्ध सुदर्शन क्रिया, प्राणायाम, ध्यान एवं जीवन को सकारात्मक दिशा देने वाली विभिन्न प्रभावशाली तकनीकों का प्रशिक्षण प्राप्त किया। चार दिनों तक प्रतिदिन प्रातः 6:30 से 9:00 बजे तक आयोजित इस शिविर में



प्रतिभागियों को शारीरिक, मानसिक एवं भावनात्मक संतुलन बनाए रखने, तनाव से मुक्त रहने, सकारात्मक सोच विकसित करने तथा जीवन में आनंद और आत्मविश्वास बढ़ाने के महत्वपूर्ण सूत्र बताए गए। प्रशिक्षकों ने बताया कि प्रसन्नता हमारे जीवन का स्वाभाविक स्वरूप है। नियमित सुदर्शन क्रिया, ध्यान एवं प्राणायाम के अभ्यास से मन को शांत रखने, तनाव कम करने, एकाग्रता बढ़ाने तथा जीवन में सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करने में सहायता मिल सकती है। कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों को वर्तमान क्षण में जीने की कला, भावनाओं का संतुलन, आपसी संबंधों में मधुरता, आत्मीयता एवं जीवन को उत्सव की तरह जीने का सुंदर संदेश भी दिया गया। शिविर में ध्यान, योग, ज्ञान एवं आत्मीय संवाद के माध्यम से आनंदमय वातावरण बना रहा। प्रतिभागियों ने इस प्रशिक्षण को जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण अनुभव बताया तथा सुदर्शन क्रिया का नियमित अभ्यास करने का संकल्प लिया।
आर्ट ऑफ लिविंग परिवार सिवनी ने कार्यक्रम की सफलता के लिए दोनों प्रशिक्षकों, सभी प्रतिभागियों, स्वयंसेवकों एवं आयोजन में सहयोग देने वाले सभी साथियों के प्रति हृदय से आभार व्यक्त किया। आयोजन परिवार ने बताया कि हैप्पीनेस प्रोग्राम केवल चार दिनों का प्रशिक्षण नहीं, बल्कि स्वस्थ, संतुलित, तनावमुक्त एवं आनंदमय जीवन जीने की दिशा में एक सुंदर शुरूआत है। साथ ही सभी प्रतिभागियों से नियमित सुदर्शन क्रिया, ध्यान एवं सामूहिक फॉलोअप कार्यक्रमों से जुड़े रहने का आग्रह किया गया, ताकि प्रशिक्षण में प्राप्त ज्ञान एवं सकारात्मक ऊर्जा का लाभ जीवन में निरंतर मिलता रहे।

भाजपा ने महर्षि वाल्मीकि जयंती पर किया पूजन-अर्चन, सामाजिक समरसता का दिया संदेश

वाल्मीकि समाज भवन में हवन-पूजन एवं माल्यार्पण कर किया नमन सुजीत जैन ने रामायण के आदर्शों को जीवन में अपनाने का किया आह्वान

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिवनी।

रामो विग्रहवान धर्मः अर्थात प्रभु श्रीराम धर्म, मयार्दा और आदर्श जीवन के साक्षात स्वरूप हैं। इसी भाव के साथ भारतीय जनता पार्टी सिवनी द्वारा आंबेडकर वार्ड स्थित वाल्मीकि समाज भवन में आदिकवि महर्षि वाल्मीकि जी का प्राकट्य उत्सव श्रद्धा एवं भक्तिभाव के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में महर्षि वाल्मीकि जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पूजन-अर्चन कर नमन किया गया। इसके पश्चात हवन-पूजन संपन्न हुआ, जिसमें वाल्मीकि समाज के वरिष्ठजनों सहित भाजपा पदाधिकारियों एवं कार्यकतार्ओं की उपस्थिति रही।
कार्यक्रम में भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष एवं वर्तमान में कटनी जिले के संगठन प्रभारी श्री सुजीत जैन, भाजपा महामंत्री श्री संतोष अग्रवाल तथा भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के जिला अध्यक्ष श्री वीरेंद्र डहरिया विशेष रूप से उपस्थित



रहे। हवन-पूजन के पश्चात सामाजिकजनों को संबोधित करते हुए श्री सुजीत जैन ने महर्षि वाल्मीकि जी के जीवन, उनके महान कृतित्व तथा रामायण में निहित आदर्शों पर प्रकाश डाला।
उन्होंने कहा कि प्रभु श्रीराम के आदर्शों एवं सनातन संस्कृति के शाश्वत मूल्यों को महाग्रंथ रामायण के माध्यम से जन-जन तक पहुंचाने वाले आदिकवि महर्षि वाल्मीकि जी का भारतीय संस्कृति और समाज के निर्माण में अतुलनीय योगदान है। उनकी अमर रचना हमें सत्य, त्याग, कर्तव्यनिष्ठा, न्याय और लोककल्याण के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती है।
श्री जैन ने कहा कि प्रभु श्रीराम का जीवन चरित्र हमें सिखाता है कि आदर्श नेतृत्व वही है, जो मयार्दा का पालन करे, जनहित को सर्वोपरि रखे और अपने कर्तव्यों के प्रति सदैव प्रतिबद्ध रहे। महर्षि वाल्मीकि जी के विचारों एवं प्रभु श्रीराम के आदर्शों को आत्मसात कर समरस, सशक्त, संस्कारित और विकसित भारत के निर्माण के लिए संकल्पित होना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है।
कार्यक्रम में पूर्व उत्तर नगर मंडल के श्री संजय सोनी, श्री सुनील डेहरिया, श्री राकेश मालवीय, श्री सुखदेव वंशकार, श्री बादल बेन, श्री सोनू सतनामी, श्री गोपाल पवमे, श्री हिमाचल पवमे, श्री सुशील कांगड़े एवं श्री राजा कांगड़े सहित वाल्मीकि समाज के वरिष्ठजन एवं अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन महर्षि वाल्मीकि जी के प्रति श्रद्धा व्यक्त करते हुए उनके आदर्शों पर चलने के संकल्प के साथ हुआ।

विधायक दिनेश राय मुनमुन ने मां राजराजेश्वरी हरिद्रा कोटि कुमकुम अर्चन महायज्ञ मे किया सहभागिता

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिवनी।



गत दिवस दिन- सोमवार, दिनांक 26/10/2026 को सिवनी विधानसभा क्षेत्र के विधायक दिनेश राय मुनमुन ने आयोजित मां राजराजेश्वरी हरिद्रा कोटि कुमकुम अर्चन महायज्ञ मे सहभागिता कर मां राजराजेश्वरी से सभी पर कृपा बनाए रखने और जगत कल्याण की प्रार्थना किया।
गत दिवस शरद पूर्णिमा के पावन उपलक्ष्य मे भोपाल स्थित लाल परेड ग्राउंड मे परम पूज्य अनंत श्री विभूषित श्री रविशंकर जी महाराज रावतपुरा सरकार के सानिध्य मे आयोजित मां राजराजेश्वरी हरिद्रा कोटि कुमकुम अर्चन महायज्ञ मे भाजपा विधायक श्री दिनेश राय मुनमुन जी ने सहभागिता कर भव्य धार्मिक अनुष्ठान मे मां राजराजेश्वरी के दिव्य दर्शन कर विधि-विधान से पूजन-अर्चन किया।
इसके साथ ही धार्मिक आस्था, श्रद्धा और भक्ति से परिपूर्ण इस विराट आयोजन मे उपस्थित श्रद्धालु एवं धर्मप्रेमी जनों की उपस्थिति मे वैदिक परंपराओं एवं आध्यात्मिक वातावरण के बीच विधायक श्री दिनेश राय मुनमुन जी ने मां राजराजेश्वरी की आराधना कर पुण्य लाभ अर्जित किया। तथा मां राजराजेश्वरी से समस्त जनमानस पर अपनी कृपा बनाएं रखने तथा संपूर्ण चराचर जगत कल्याण, सुख, समृद्धि, शांति एवं खुशहाली की प्रार्थना किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या मे श्रद्धालुओं और धर्मप्रेमी बंधुओं की गरिमामय उपस्थिति रही।

मोगली महोत्सव के लिए दो से 5 नवंबर तक बच्चे रहेंगे शामिल

राज्य स्तरीय आयोजन में लगभग 400 बच्चे एवं शिक्षक होंगे शामिल

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिवनी।

जिले के कुरई विकासखंड अंतर्गत आने वाला ग्राम टुरिया खवासा से लगे दक्षिण वन मंडल में स्थित मोगलीलैंड के नाम से पहचाने जाने वाला पर्यटन स्थल पर प्रतिवर्षण सर इस वर्ष भी मोगली बाल उत्सव मध्य प्रदेश सरकार द्वारा आयोजित किया जा रहा है 2 नवंबर से 4 नवंबर तक इस कार्यक्रम में प्रदेश के सभी जिलों से बच्चे चयनित कर आएंगे जो यहां पर प्रकृति पर्यावरण संरक्षण और वन्यजीवों के प्रति अपनी जिज्ञासा का समाधान करेंगे इस आयोजन को जिला शिक्षा विभाग जिला जनजाति विभाग वन विभाग वन्य प्रौद्योगिकी विभाग पर्यावरण संरक्षण के अंतर्गत आयोजित किया जाएगा।
इस महोत्सव की विशेषता है कि बच्चों को, जीव जंतुओं और पर्यावरण के महत्व से जोड़ने का या अनुपम प्रयास है तकनीकी सहयोग सीईई इंडिया सेंटर फॉर एनवायरमेंटल एजुकेशन इस उत्सव के लिए तकनीकी सलाहकार के रूप में करेगी
इस आयोजन के दौरान जंगल सफारी नेचर ट्रेल प्राकृतिक भ्रमण पर्यावरण निबंध प्रतियोगिता सांस्कृतिक कार्यक्रम और पर्यावरण पर आधारित फिल्में दिखाई जाएगी। राज्यश्री मोगली बाल महोत्सव का आयोजन मुख्य रूप से सिवनी जिले के बैच नेशनल पार्क में टाइगर रिजर्व ने किया जाता है यहां विभिन्न जिलों के चयनित होकर आए बाल छात्रों जिन्हें बाल मित्र कहा जाता है को प्रकृति का करीब से अनुभव करने का अवसर मिलता है मोगली बाल महोत्सव के दौरान पेंच नेशनल पार्क में आयोजित होने वाली विभिन्न गतिविधियों और बच्चों के अनुभवों को पूरे प्रदेश में पहुंचने की यह अनुपम पहल है।।
उल्लेखनीय है कि मोगली की काल में कहानी के पीछे की असली प्रेरणा देना शनिचर नाम के एक बच्चे की दर्दनाक दास्तां है ब्रिटिश लेखक रूडियार किपलिंग ने अपनी प्रसिद्ध पुस्तक दि जंगल बुक के मोगली के किरदार के लिए इन्हीं जैसी कहानियों से प्रेरणा ली थी ऐसा माना जाता है कि मोगली की कर्म स्थली के रूप में सिवनी के जंगलों का नाम प्रमुखता से आता है। जंगल बुक पर आधारित सीरियल के गुलजार द्वारा लिखे हुए गीत जंगल जंगल बात चली है पता चला है चड्डी पहन के फूल खिला है फूल खिला है के कारण काफी प्रसिद्धि मिली और लंबे समय से इस कथा को प्रचारित प्रसारित कर पेज नेशनल पार्क को मोगली लैंड के रूप में पर्यटन का दर्जा दिया गया इस वर्ष लगभग 400 बच्चे एवं उनके साथ सहयोगी शिक्षक इसमें शामिल होंगे। इस आयोजन में जिला कलेक्टर श्रीमती नेहा मीना के मार्गदर्शन में जिला शिक्षा अधिकारी अविनाश दीक्षित हेमंत राज पीयूष जैन सहित जनजाति विभाग एवं अनेक विभाग शामिल होकर आने वाले बच्चों को तीन दिनों तक अपनी सेवाएं देंगे इस दौरान सुरक्षा की दृष्टि से पुलिस प्रशासन भी अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। कार्यक्रम को लेकर जिला कलेक्टर द्वारा पूर्व में बैठक लेकर संबंधित जनों को दिशा निर्देश जारी कर दिए गए हैं।

लगातार डेढ़ महीने तक रिमझिम बारिश से मक्के की फसल बर्बाद

वायर कंपनी के डिकाल्ब मक्के में क्षति सर्वाधिक

धूमा, इस बार खरीफ सीजन के शुरूआत से ही डेढ़ महीने तक लगातार रिमझिम बारिश तथा सूर्य की रोशनी के अभाव में मक्के की फसल बर्बाद हो गई है लगातार बारिश से जल प्लावन जड़ सड़न ,तना विगलन तथा कीट व्याधि के कारण मक्के की फसल में भारी क्षति हुई है

विशेष कर वायर कंपनी की डिकाल्ब हाइब्रिड मक्के में क्षति सर्वाधिक देखी जा रही है इसलिए क्षेत्र के किसानों ने वायर कंपनी के डिकाल्ब हाईब्रिड मक्का बीज की उच्चस्तरीय जाँच करवाकर किसानों को हुए नुकसान की भरपाई बीज कंपनी से कराने की माँग जिला कलेक्टर के साथ ही उच्च कृषि अधिकारियों से की है किसान नेता श्री ज्ञानप्रसाद सिरबैया ने बताया कि हमारे द्वारा प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष खरीफ 2026 में वायर कंपनी का डिकाल्ब हाईब्रिड मक्का बीज लगाया गया था मक्का बीज का अंकुरण ठीक आया पौधे पतले परंतु औसत ऊंचाई के हैं पौधों में भुट्टे अत्यंत छोटे आए हैं तथा एक स्थान से 3-4 की संख्या में गुच्छों में छोटे छोटे आकार के भुट्टे आए हैं जो अधिकांश दाना विहीन हैं कुछेक भुट्टों में विरले दाने एवं विकृत लाइनयुक्त दाने आए हैं जो बीज की अप्रमाणिकता सिद्ध करते हैं। किसानों द्वारा अन्य कंपनियों के हाइब्रिड मक्का बीज भी लगाया गया है जिसमें भुट्टों का आकार अपेक्षाकृत अच्छा है। मक्का का उत्पादन प्रतिवर्ष25- 30 क्विंटल प्रति एकड़ होता है,इस वर्ष वायर कंपनी के डिकाल्ब मक्का बीज से 01-02 क्विंटल प्रति एकड़ की भी आशा नहीं है किसानों द्वारा बताया गया कि हमारे द्वारा प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी सिवनी स्थित विश्वसनीय बीज विक्रय केन्द्र से पक्के बिल के साथ उच्च कीमत पर बीज की खरीदी की है।
ज्ञात होवे कि यह क्षेत्र जल अभावग्रस्त है यहाँ किसानों की मुख्य आर्थिक फसल खरीफ में मक्का है, मक्का की पैदावार 25-30 क्विंटल प्रति एकड़ होती है परन्तु इस वर्ष वायर कंपनी के अनुपयुक्त डिकाल्ब मक्का बीज के कारण फसल क्षतिग्रस्त होकर बर्बाद हो गई जिससे किसानों के समक्ष आगामी फसल की तैयारी एवं आजीविका / परिवार के भरण पोषण का भारी संकट खड़ा हो गया है। प्राथमिक तौर पर लखनादौन के एस ए डी ओ श्री एस के डहरिया जी ने फसल का निरीक्षण किया पुनः किसानों ने वरिष्ठ अधिकारियों को ज्ञापन सौंपकर वायर कंपनी के डिकाल्ब हाईब्रिड मक्का के बीज से प्रभावित 80% क्षतिग्रस्त मक्का की फसल की उच्चस्तरीय /प्रदेश स्तर के वरिष्ठ कृषि वैज्ञानिकों से जाँच कराकर डिकाल्ब हाईब्रिड मक्का बीज विक्रय करने वाली वायर कंपनी से फसल क्षति की संपूर्ण भरपाई शीघ्र-अतिशीघ्र किसानों को कराने की मांग की है ताकि किसान आगामी रबी सीजन के लिये खेत तैयार कर सकें।

बैहर विधायक संजय उइके ने कहा अब तक 55 बच्चों की मौत

आदिवासी क्षेत्र में जारी हैं मासूम बच्चों की मौत!

हरिभूमि न्यूज बालाघाट।

बालाघाट के बैहर क्षेत्र में आदिवासी बच्चों की मौतों का सिलसिला थम नहीं रहा है। मंगलवार को बिरसा क्षेत्र के खैरटोला चिखाली में 18 महीने के परदेशी मेरावी की मौत हो गई। स्वास्थ्य विभाग ने मौत का कारण एस्पिरेशन बताया है।

इसमें दूध या भोजन श्वांस नली में फंस जाता है। विभाग के अनुसार, यह संक्रमण से हुई मौत नहीं है। सीएमएचओ डॉ. शत्रुघन सिंह दाहिया ने बताया कि बच्चा स्वस्थ था और मौत के वास्तविक कारणों की जांच की जा रही है।

पिछले 5 महीनों में आदिवासी बहुल गांवों में बच्चों की लगातार मौतों ने स्वास्थ्य व्यवस्था और प्रशासन की निगरानी पर सवाल खड़े किए हैं। कांग्रेस अध्यक्ष संजय उईके ने घर-घर स्क्रीनिंग के बावजूद बच्चों की मौतें जारी रहने पर सवाल उठाए हैं। कांग्रेस के मुताबिक, क्षेत्र में अब तक 55 बच्चों की मौत हो चुकी है, जबकि प्रशासन का आंकड़ा 32 पर स्थिर है।

आदिवासी क्षेत्र मातला में 22 अक्टूबर को बिसरू पिता जोहर परते (1 साल 4 महीने) की मौत का मामला सामने आया था। इसके बाद 25 अक्टूबर को आदिवासी घुम्मुर पंचायत के खैरटोला निवासी रेखा पिता मनतू (3) और सोनगुड्डा के सुंदरवाही निवासी शिवम उईके (2 महीने 23 दिन) की मौत की जानकारी सामने आई थी। अब परदेशी की मौत ने एक बार फिर क्षेत्र में बच्चों की सेहत और स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर सवाल खड़े किए हैं।



बैहर-बिरसा क्षेत्र में बच्चों की मौतों की संख्या को लेकर कांग्रेस और प्रशासन के आंकड़ों में अंतर है। कांग्रेस अध्यक्ष संजय उईके के मुताबिक, अब तक 55 बच्चों की मौत हुई है, जबकि प्रशासन 32 मौतें बता रहा है। कांग्रेस ने घर-घर स्क्रीनिंग के बावजूद मौतें जारी रहने पर सवाल उठाए हैं। ऐसे में मृत बच्चों की ग्रामवार सूची, मौत की तारीख, दर्ज कारण और जांच की स्थिति सामने आना जरूरी है। इससे यह स्पष्ट हो सकेगा कि दोनों आंकड़ों में अंतर किन मामलों या कारणों से है। साथ ही, जिन बच्चों की मौत हुई है, उनकी बाल मृत्यु समीक्षा के निष्कर्ष सार्वजनिक किए जाने चाहिए।

1 अक्टूबर को लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी बालाघाट के बैहर क्षेत्र के जगला गांव पहुंचे थे। उन्होंने बच्चों को खो चुके बैगा आदिवासी परिवारों से मुलाकात कर उनकी स्थिति और स्वास्थ्य सुविधाओं की जानकारी ली थी। इस दौरान आदिवासी क्षेत्रों में इलाज, पोषण और स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता का मुद्दा भी उठा। राहुल गांधी ने बच्चों की मौतों का मामला लोकसभा में उठाने की बात कही थी। उनके दौरे के बाद भी बच्चों की मौत के नए मामले सामने आए हैं। ऐसे में यह सवाल अहम है कि दौरे के बाद स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार के लिए क्या कदम उठाए गए और उनका असर कितना हुआ।

अक्टूबर के आखिरी सप्ताह में बैहर-बिरसा क्षेत्र के अलग-अलग गांवों से बच्चों की मौत के मामले सामने आए। 22 अक्टूबर को मातला में बिसरू पिता जोहर परते की मौत हुई। 25 अक्टूबर को खैरटोला की रेखा पिता मनतू और सुंदरवाही के शिवम उईके की मौत की जानकारी सामने आई। इसके बाद खैरटोला चिखाली में परदेशी मेरावी की मौत हुई। इन मामलों में बच्चों की उम्र, बीमारी के लक्षण, उपचार और अस्पताल पहुंचने की स्थिति की अलग-अलग जानकारी जुटाना जरूरी है। इससे पता चल सकेगा कि मौतों के पीछे कौन-कौन से कारण रहे और किन स्तरों पर इलाज या निगरानी में कमी की आशंका है।

खैरटोला चिखाली निवासी 18 महीने के परदेशी मेरावी की मौत के मामले में स्वास्थ्य विभाग ने एस्पिरेशन को कारण बताया है। इसमें दूध या भोजन श्वांस नली में फंस जाता है। विभाग ने इसे संक्रमण से हुई मौत नहीं बताया है।

सीएमएचओ डॉ. शत्रुघन सिंह दाहिया के मुताबिक, बच्चा स्वस्थ था और मौत के वास्तविक कारणों की जांच की जा रही है। जांच में यह स्पष्ट होना जरूरी है कि मौत किन परिस्थितियों में हुई। हाल में सामने आए अन्य बच्चों की मौत के मामलों की समीक्षा से भी यह पता चल सकता है कि किन मामलों में संक्रमण, पोषण संबंधी समस्या, उपचार में देरी या दूसरे कारणों की भूमिका रही।

नियमित शिक्षक की मांग को लेकर कलेक्ट्रेट पहुंचे अभिभावक, बच्चों की पढ़ाई प्रभावित होने का आरोप

कोरोना काल से स्कूल में नियमित अध्यापन नहीं करने का आरोप, एक शिक्षिका के भरोसे पहली से पांचवीं तक की कक्षाएं

हरिभूमि न्यूज बालाघाट।



बालाघाट स्कूल में नियमित शिक्षक नहीं होने से पढ़ाई प्रभावित होने की शिकायत लेकर मंगलवार को अभिभावक छात्रों के साथ कलेक्ट्रेट पहुंचे। उन्होंने स्कूल में नियमित शिक्षक की व्यवस्था करने और वर्तमान में पदस्थ शिक्षक सूरजलाल सोनवाने को स्कूल में शैक्षणिक कार्य के लिए भेजने की मांग की है।

अभिभावकों का कहना है कि कोरोना काल से ही सूरजलाल सोनवाने नियमित रूप से स्कूल में पढ़ाने नहीं आ रहे हैं। वे हिर्री जनशिक्षा केंद्र में क्लर्क का काम कर रहे हैं। स्कूल में 1 ही शिक्षक होने से बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है। मामला किरनापुर क्षेत्र के एक शासकीय प्राथमिक स्कूल का है। रिपोर्ट के अनुसार, स्कूल में सूरजलाल सोनवाने पदस्थ हैं। अभिभावकों का आरोप है कि उनकी जगह दूसरे स्कूलों से शिक्षकों को भेजा गया, लेकिन वे भी नियमित नहीं रहे। अभिभावकों के मुताबिक, नए शैक्षणिक सत्र से शिक्षिका भूमिका ठाकरे ही कक्षा पहली से पांचवीं तक के विद्यार्थियों को पढ़ाने के साथ कार्यालय का काम भी संभाल रही हैं। इससे विद्यार्थियों की पढ़ाई पर असर पड़ रहा है। अभिभावक दिनेश कुमार बांगरे ने बताया कि वे वर्ष 2020 से स्कूल में पदस्थ सूरजलाल सोनवाने को नियमित रूप से पढ़ाने के लिए स्कूल भेजने की मांग कर रहे हैं। उनके अनुसार, 2020 से 2026 के बीच 5 शिक्षक स्कूल आए, लेकिन बाद में चले गए। उन्होंने स्कूल में नियमित शिक्षक की व्यवस्था करने की मांग की है। मामले में सर्व शिक्षा अभियान के परियोजना समन्वयक घनश्याम प्रसाद बर्मन ने बताया कि शिक्षक को स्कूल भेज दिया गया है। उन्होंने कहा कि जनशिक्षक की कमी के कारण सूरजलाल सोनवाने को प्रभारी जनशिक्षक बनाया गया था।

किरनापुर के सहायक प्रबंधक ई-गवर्नेंस रामशंकर पटेल को कारण बताओ नोटिस जारी

बालाघाट। किरनापुर तहसील के सहायक प्रबंधक ई-गवर्नेंस रामशंकर पटेल द्वारा किसानों से किसान सम्मान निधि के नाम पर राशि लिये जाने की शिकायत पर कलेक्टर श्री आदित्य सिंह ने तत्काल संज्ञान लेते हुए उसे कारण बताओ नोटिस जारी किया है कि क्यों न उसके विरूद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही प्रस्तावित की जाए।

गर्रा निवासी भाऊलाल चौधरी का निधन स्थानीय मोक्षधाम में हुआ अंतिम संस्कार

हरिभूमि न्यूज बालाघाट।



गर्रा निवासी भाऊलाल चौधरी का लंबी बीमारी के चलते बीते दिवस निधन हो गया। वे सेना से सेवानिवृत्त थे। उनके निधन की खबर से ग्राम गर्रा में शोक की लहर व्याप्त हो गई। भाऊलाल चौधरी अपने पीछे एक पुत्र बंटी चौधरी और एक पुत्री सहित भरा-पूरा परिवार छोड़ गए हैं। वे सामाजिक एवं धार्मिक कार्यों में बढ़-चढ़कर भाग लेते थे। सामाजिक कार्यों के प्रति उनकी सक्रियता और मिलनसार व्यक्तित्व के कारण वे क्षेत्र में अपनी अलग पहचान रखते थे। उनके निधन को ग्राम गर्रा के लिए अपूरणीय क्षति माना जा रहा है।उनके निधन पर ग्राम गर्रा के नागरिकों एवं विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने शोक व्यक्त करते हुए दिवंगत आत्मा की शांति और शोकाकुल परिवार को इस दुख की घड़ी में संबल प्रदान करने की प्रार्थना की। उनका अंतिम संस्कार स्थानीय मोक्षधाम में किया गया। इस दौरान ग्राम सरपंच वैभव सिंह बिसेन, वार्ड पंच श्रीमती जुबेदा सलीम शाह, समाजसेवी डॉ. अशोक गुप्ता, शेख मंसूर एवं दिलीप भैरम, अभय सदाफल, हिमांशु गुप्ता, कमलेश भगत, दीपक बघेले, संजय तिलासे, लक्की पटले, अक्षय सोनटके, आलोक शरणागत, रजनीश ठाकरे, गजानंद पटले (गज्जू भैया), शुभम वर्मा, नितेश किसेन, संजय चौधरी, संजय कटरे, नंदू सदाफल सहित अन्य गणमान्य नागरिकों ने शोक संवेदनाएं व्यक्त कीं।

बुदबुदा नदीटोला में रेत खनन को लेकर विरोध, ग्रामीणों ने ठेकेदार को रोका

हरिभूमि न्यूज बालाघाट।

बालाघाट के बुदबुदा नदीटोला में रेत खनन को लेकर विवाद हो गया। ग्रामीणों ने स्वीकृत खदान से खनन करने पहुंचे ठेकेदार को रोक दिया।

मंगलवार को कलेक्ट्रेट पहुंचकर कलेक्टर के नाम ज्ञापन और आपत्ति पत्र सौंपा। ग्रामीणों ने खनन की अनुमति रद्द करने की मांग करते हुए पानी की कमी और पर्यावरण को नुकसान की आशंका जताई। सरपंच हंसराज कावरे के अनुसार, खनन स्थल के पास नलजल योजना का कुआं और पाइपलाइन है। वहां



पुल का निर्माण भी हो रहा है। उनका कहना है कि ठेके का एनओसी पंचायत से नहीं लिया गया है।ग्रामीणों का कहना है कि क्षेत्र में 12 साल से रेत नहीं निकाली गई, फिर भी पेयजल संकट बना रहता है। ऐसे में खनन शुरू होने से पानी की समस्या बढ़ सकती है और आबादी को खतरा हो सकता है। युवा ओपल राहंगडाले ने कहा कि ग्रामीण ठेकेदार को रेत नहीं निकालने देंगे। उनका कहना है कि खनन से विवाद और जान का खतरा बढ़ सकता है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि अनुमति रद्द नहीं हुई तो वे धरना देंगे और जरूरत पड़ने पर ट्रैक्टर के सामने बैठ जाएंगे। खनिज अधिकारी फरहत जहां ने शिकायत पर जांच कराने का आश्वासन दिया है।

राज्य स्तरीय महिला बास्केटबॉल प्रतियोगिता के लिए छिंदवाड़ा परिक्षेत्र की टीम ग्वालियर रवाना



हरिभूमि न्यूज हट्टा। मध्य प्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग के खेल कैलेंडर के अनुसार संभाग स्तरीय महिला बास्केटबाल प्रतियोगिता का आयोजन शासकीय महाविद्यालय हट्टा जिला बालाघाट के द्वारा किया गया था उक्त प्रतियोगिता में महिला खिलाड़ियों का चयन राज्यस्तरीय बास्केटबाल महिला प्रतियोगिता जो 28 अक्टूॅबर एवं 29 अक्टूॅबर को शासकीय कमला राजा कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय ग्वालियर मैं आयोजित है के लिए किया गया था प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए छिंदवाड़ा परिक्षेत्र की महिला बास्केटबॉल टीम ग्वालियर के लिए रवाना टीम में 12 महिला खिलाड़ी एवं मैनेजर के रूप में क्रीड़ा अधिकारी डॉ. ऋषिकेश पटेल सर एवं कोच के रूप में क्रीड़ा अधिकारी कु. रोशनी सुलाखे मैडम गए हैं खिलाड़ियों के उत्कट प्रदर्शन के लिए छिंदवाड़ा परिक्षेत्र के सभी सीनियर एवं जूनियर कीड़ा अधिकारियों एवं खेल प्रेमियों ने शुभकामनाएं दी हैं। उक्त जानकारी शासकीय महाविद्यालय हट्टा के क्रीड़ा अधिकारी डॉ. सचिन तिवारी द्वारा दी की गई।

गुड़रूघाट में धम्मचक्र प्रवर्तन दिवस समारोह में शामिल हुए विधायक गौरव सिंह पारधी, पूज्य भिक्षुणी साक्य धम्मदीना जी से प्राप्त किया आशीर्वाद

हरिभूमि न्यूज बालाघाट।



ग्राम गुड़रूघाट स्थित स्टेडियम ग्राउंड में रविवार को बौद्ध सर्कल समिति के तत्वावधान में धम्म चक्र प्रवर्तन दिवस समारोह आयोजित किया गया। समारोह में धम्म देशना के साथ शिक्षा, स्वास्थ्य, सामाजिक जागरूकता और जनसेवा से जुड़े विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रम में कटंगी विधानसभा क्षेत्र के विधायक श्री गौरव सिंह पारधी शामिल हुए। इस अवसर पर क्षेत्र के जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे।

विधायक गौरव सिंह पारधी ने किया समाजजनों का अभिनंदनः विधायक श्री गौरव सिंह पारधी ने समारोह में विश्व विख्यात पूज्य भिक्षुणी साक्य धम्मदीना जी के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया तथा उनके विचारों और संदेशों को सुना। उन्होंने उपस्थित समाजजनों एवं सेवक-सेविकाओं से भेंट कर उनका अभिनंदन किया और धम्म चक्र प्रवर्तन दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर उन्होंने भगवान बुद्ध की शिक्षाओं में निहित मानवता, समानता, करुणा और सामाजिक सद्भाव के महत्व को रेखांकित किया।

कार्यक्रम में भगवान बुद्ध की शिक्षाओं का दिया संदेशः समारोह में भगवान बुद्ध की शिक्षाओं, मानवता, करुणा, समानता और सामाजिक सद्भाव के महत्व पर प्रकाश डाला गया। पूज्य भिक्षुणी साक्य धम्मदीना जी की धम्म देशना के माध्यम से उपस्थित लोगों को धम्म के विचारों और जीवन मूल्यों से परिचित होने का अवसर मिला। कार्यक्रम में शिक्षा एवं सामाजिक जागरूकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से रक्तदान कार्यक्रम, निःशुल्क चिकित्सा जांच शिविर, संविधान प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, प्रतिभा सम्मान समारोह तथा पुस्तकालय उद्घाटन जैसे आयोजन भी किए गए।इस अवसर पर डॉ. गोविंद कोडवानी, डॉ. तरुण वसंत देशभ्रतार, डॉ. इशांत नंदागौली, श्री दिलीप उके, इंजीनियर सतीश रंगारी, इंजीनियर पंजाबराव मेश्राम, जिला पंचायत सदस्य श्री प्रकाश उके, जनपद पंचायत सभापति श्री आलोक पाटील एवं श्री दिनेश नागदेवे सहित क्षेत्र के जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता और बौद्ध सर्कल समिति के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

स्वास्थ्य विभाग, आशा कार्यकर्ता और एएनएम के समन्वित प्रयासों से जच्चा-बच्चा सुरक्षित

गंभीर एनीमिया से पीड़ित हाई-रिस्क गर्भवती का सुरक्षित प्रसव

हरिभूमि न्यूज बालाघाट। जिले में शहरी स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत स्वास्थ्य विभाग की सतर्कता और समय पर उपचार से गंभीर एनीमिया से पीड़ित एक हाई-रिस्क गर्भवती महिला का सुरक्षित प्रसव कराया गया। महिला का हीमोग्लोबिन स्तर मात्र 7 ग्राम था और पूर्व में सीजेरियन प्रसव होने के कारण गर्भावस्था को उच्च जोखिम की श्रेणी में रखा गया था। स्वास्थ्य विभाग की टीम, आशा कार्यकर्ता और एएनएम के समन्वित प्रयासों से माता एवं नवजात शिशु दोनों सुरक्षित हैं।



वार्ड क्रमांक 1, गौरीशंकर, बूढ़ी बालाघाट निवासी श्रीमती दीक्षा चौरे, पति श्री संदीप चौरे का गर्भावस्था के दौरान 16 अप्रैल 2026 को एएनएम श्रीमती श्रिता जैसवाल द्वारा पंजीयन किया गया था। आशा कार्यकर्ता श्रीमती कमला डोंगरे के निरंतर संपर्क एवं प्रयासों से महिला की समय पर जांच कराई गई। मुख्यमंत्री संजीवनी क्लीनिक, ढीमरटोला में डॉ. प्रिया भोरोपे एवं डॉ. लक्ष्य वर्मा द्वारा की गई जांच में महिला गंभीर एनीमिया से पीड़ित पाई गईं।

दो यूनिट रक्त की व्यवस्था कर कराया भर्तीः महिला की गंभीर स्थिति को देखते हुए आशा कार्यकर्ता ने तत्काल एपीएम श्री संजय मानेश्वर को जानकारी दी। इसके बाद जिला चिकित्सालय बालाघाट से समन्वय कर महिला के लिए दो यूनिट ए पॉजिटिव रक्त की व्यवस्था की गई। पीएमएसए/ईपीएमएसए योजना के अंतर्गत महिला को निःशुल्क सोनोग्राफी एवं आवश्यक जांचों की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई। पूर्व में सीजेरियन प्रसव और गंभीर एनीमिया के कारण संभावित जोखिम को देखते हुए आशा कार्यकर्ता श्रीमती कमला डोंगरे ने विशेष सतर्कता बरती। उन्होंने 17 अक्टूबर को प्रसव की संभावित तिथि से पहले महिला को जिला चिकित्सालय बालाघाट में भर्ती कराया, जहां चिकित्सकों की निगरानी में आवश्यक उपचार एवं देखभाल की गई।

19 अक्टूबर को हुआ सुरक्षित प्रसवः समय पर अस्पताल में भर्ती, रक्त की व्यवस्था, आवश्यक रक्ताधान और चिकित्सकीय देखभाल के परिणामस्वरूप 19 अक्टूबर 2026 को रात्रि 9.30 बजे महिला का सुरक्षित प्रसव कराया गया। वर्तमान में माता और नवजात शिशु दोनों स्वस्थ एवं सुरक्षित हैं। इस दौरान परिवार को आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं निःशुल्क उपलब्ध कराई गईं। यह सफलता मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. शत्रुघ्न सिंह दाहिया तथा अर्बन नोडल अधिकारी डॉ. पंकज महाजन के मार्गदर्शन में स्वास्थ्य विभाग की टीम, आशा कार्यकर्ता एवं एएनएम के समन्वित प्रयासों से संभव हुई। यह प्रकरण गर्भवती महिलाओं का समय पर पंजीयन, नियमित स्वास्थ्य जांच, गंभीर एनीमिया की पहचान, हाई-रिस्क गर्भावस्था में विशेष निगरानी तथा समय पर अस्पताल में भर्ती कराने के महत्व को दर्शाता है। स्वास्थ्य विभाग ने गर्भवती महिलाओं से नियमित जांच कराने और चिकित्सकीय परामर्श का पालन करने की अपील की है।

आयोजनो से ही संस्था के उद्देश्यो की पूर्ति होगी एवं आदर्श समाज का निर्माण होगा-डॉ.चरनदास ढेंगरे

दि बुद्धिस्ट सोसायटी आफ इंडिया का वारासिवनी में व्यक्तित्व विकास शिविर सम्पन्न

व्यक्तित्व को सर्वांगीण प्रबुद्ध मानव बनाने की शुरूवात-बी.एच.गायकवाड

हरिभूमि न्यूज बालाघाट। भारतीय बौद्धो की सर्वोच्च शिखर संघठना दि बुद्धिस्ट सोसायटी आफ इंडिया अर्थात भारतीय बौद्ध महासभा केन्द्रिय एवं राज्य शाखा के निर्देश से संस्था के 24 प्रकार के धम्म प्रशिक्षण शिविर के माध्यम से धम्म का कारवां निरंतर गतिमान हो रहा है। इसी परिपेक्ष्य में जिले की वारासिवनी तहसील मुख्यालय के संस्था कार्यालय तक्षशीला वाचनालय में 26 अक्टुबर 2026 को व्यक्तित्व विकास प्रशिक्षण शिविर का आयोजन संस्था के राष्ट्रीय सचिव म.प्र.राज्य शाखा के पालक मंत्री बी.एच.गायकवाड गुरूजी मुंबई के मुख्यातिथ्य एवं प्रशिक्षक,बी.एम.काम्बले राष्ट्रीय सचिव एवं साउथ राज्यों के पालक मंत्री मुंबई के प्रमुख आतिथ्य एवं प्रशिक्षक, डॉ.चरनदास ढेंगरे अध्यक्ष म.प्र. राज्य शाखा,केंद्रीय शिक्षक एवं उदघाटक म.प्र. एवं आर.डी.बंसोड अध्यक्ष बीएसआई वारासिवनी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। प्रशिक्षण शिविर के विशेष अतिथि आर.के.कठाने प्रदेश सचिव केन्द्रिय शिक्षक म.प्र., अशोक कुमार



मेश्राम जिलाध्यक्ष,अभिराज मेश्राम जिला महामंत्री,मेडम इंद्रकला कठाने, धनराज रामटेके जिला संघठक बालाघाट एवं वारासिवनी नगर तथा तहसील शाखा के समस्त पदाधिकारी एवं धम्म उपासक उपासिकाओं की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर वर्षावास प्रवचन मलिका का समापन भी सम्पन्न हुआ, प्रशिक्षण में व्यक्तित्व विकास के विभिन्न पहलुओं पर सारगर्भित प्रशिक्षण दिया गया। जिसमें व्यक्ति के विकास में आने वाली कठिनाईया,व्यक्तित्व विकास के विभिन्न पहलू, टारगेट की पूर्ति कैसे करें, नेतृत्व के गुण एवं प्रकार,व्यक्तित्व के विकास हेतु बौद्धिक प्रयोग कर एवं अन्य जानकारी दी गई। इसमें मुख्य अतिथि आद.गायकवाड गुरूजी ने सारगर्भित प्रशिक्षण के माध्यम से बताया कि व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास आदर्श मानव बनाने की शुरूआत है। प्रमुख अ ति थि बी.एम.काम्बले ने अपने प्रबोधन में बताया कि प्रत्येक इंसान में नेतृत्व के गुण होते है उसका विकास करना चाहिए। प्रशिक्षण शिविर का उदघाटन करते हुये प्रमुख अतिथि डॉ.चरनदास ढेंगरे जी ने अपने उदबोधन में कहा कि प्रशिक्षण शिविरों के माध्मय से ही संस्था के उद्देश्यो की पूर्ति होगी एवं आदर्श समाज का निर्माण होगा। इस शिविर के अंतिम सत्र में तहसील महामंत्री के पद पर धमेन्द्र कुमार घोडेश्वार जी एवं कोषाध्यक्ष के पद पर उत्तमदास मेश्राम जी की नियुक्तियां जिला शाखा द्वारा किये जाने पर अतिथियों द्वारा उनका सम्मान किया गया। कार्यक्रम का सफल संचालन धमेन्द्र कुमार घोडेस्वार एवं कोषाध्यक्ष उत्तमदास मेश्राम द्वारा किया गया। इसमें तहसील नगर व वारासिवनी के धम्मबंधुओं की उपस्थिति सराहनीय रही। अंत में भोजनदान उपरांत समापन गाथा के साथ समापन किया गया। सभी ने शिविर की भूरी-भूरी प्रशंसा की।